News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-22
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रुपया

आज का विचार

सफलता अनुभव से आती है और अनुभव हमेशा बुरे अनुभव से आता है।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार, 27 अप्रैल 2024

सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम के वोटों की वीवीपैट पर्चियों से 100 फीसदी मिलान संबंधी याचिकाएं की खारिज

व्यवस्था पर आंख मूंदकर शक करना गलत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ईवीएम के वोटों की वीवीपैट पर्चियों से 100 फीसदी मिलान संबंधी याचिकाओं को खारिज कर दिया। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि किसी भी प्रणाली पर आंख मूंदकर संदेह करना किसी भी व्यवस्था के प्रति शक पैदा कर सकता है। पीठ ने कहा कि संतुलित परिपेक्ष महत्वपूर्ण है। आंख मूंदकर किसी भी व्यवस्था पर संदेह करना उस व्यवस्था के प्रति शक पैदा कर सकता है। सार्थक आलोचना करने की जरूरत है फिर चाहे वो न्यायपालिका हो या फिर विधायिका। लोकतंत्र, सभी स्तंभों के बीच सद्भाव और विश्वास कायम रखने के बारे में है। विश्वास और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देकर हम अपने लोकतंत्र की आवाज को मजबूत कर सकते हैं।

चुनाव आयोग के लिए दो निर्देश – सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम संबंधी याचिकाओं को खारिज करने के साथ ही चुनाव आयोग के लिए भी दो निर्देश जारी किए हैं। जिसके पहले निर्देश के तहत कोर्ट ने कहा है कि चुनाव आयोग को ईवीएम में चुनाव चिन्ह लोड करने के बाद चुनाव चिन्ह लोडिंग यूनिट को सील करके सुरक्षित जगह पर रखना चाहिए। इन सील कंटेनर्स को चुनाव नतीजे घोषित होने के 45 दिन बाद तक ईवीएम के साथ ही सुरक्षित स्टोर रूम में रखना चाहिए। -अदालत ने यगभी निर्देश दिया कि निर्वाचन सीट पर चुनाव के बाद पांच प्रतिशत ईवीएम मशीनों, जिनमें ईवीएम के साथ कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और वीवीपैट भी शामिल हो, उनके इस्तेमाल हुए मेमोरी सेमीकंट्रोलर्स, ईवीएम बनाने वाली कंपनी के इंजीनियर्स द्वारा चेक किए जाएं।

उम्मीदवारों की लिखित मांग पर जांची जा सकेगी ईवीएम

अदालत ने निर्देश दिया कि दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाले उम्मीदवारों की लिखित मांग पर जांच हो सकती है। चुनाव नतीजे घोषित होने के सात दिनों के भीतर यह मांग की जा सकती है। जांच की मांग करने वाले उम्मीदवार को ही इसकी लागत वहन करनी होगी और अगर ईवीएम में छेड़छाड़ का आरोप सही साबित हुआ तो चुनाव आयोग को उम्मीदवार को लागत के पैसे लौटाने होंगे।

वाट्सएप ने कहा- सरकार मजबूर करेगी तो छोड़ देंगे भारत

नई दिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग एप वाट्सएपऔर भारत सरकार के बीच लंबे समय से लड़ाई चल रही है। अब यह लड़ाई आखिरी चरण में पहुंच गई है। वाट्सएप इस बार आर-पार के मूड में नजर आ रहा है। सरकार की ओर से बार-बार कहा जा रहा है कि वाट्सएप को मैसेज के सोर्स के बारे में बताना होगा यानी कोई मैसेज पहली बार कब और कहां से भेजा गया था इसकी जानकारी देनी होगी। इस मसले पर वाट्सएप का कहना है कि इसके लिए एन्क्रिप्शन तोड़ना होगा और यह उसकी प्राइवेसी पॉलिसी के खिलाफ है। वाट्सएप की ओर से दिल्ली हाईकोर्ट में कहा गया है कि वाट्सएप का इस्तेमाल लोग इसलिए करते हैं क्योंकि यह एन्क्रिप्टेड है और लोगों को इसकी प्राइवेसी पर भरोसा है। यूजर्स ये जानते हैं कि वाट्सएप पर भेजे गए मैसेज एंड टू एंड एन्क्रिप्टेड होते हैं। ऐसे में उनके मैसेज को कोई भी नहीं पढ़ सकता है, लेकिन एन्क्रिप्शन तोड़ने के बाद इसकी प्राइवेसी खत्म हो जाएगी। अगर भारत सरकार ने एन्क्रिप्शन तोड़ने के लिए मजबूर किया तो हमें देश छोड़ना होगा। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक वाट्सएप की तरफ से दिल्ली हाईकोर्ट में वकील तेजस कारिया ने कार्यवाहक चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ से कहा कि एक प्लेटफॉर्म के तौर पर हम कह रहे हैं कि अगर हमें एन्क्रिप्शन तोड़ने के लिए कहा जाता है, तो हम यहां से चले जाएंगे।

अरबों मैसेज को सालों तक स्टोर करना होगा-वाट्सएप की ओर से कहा गया कि यदि वास्तव में ऐसा किया जाए तो हमें मैसेजों की एक पूरी चेन तैयार रखनी होगी, क्योंकि हमें नहीं पता है कि कौन से मैसेज को कब डिक्रिप्ट करने के लिए कह दिया जाए। इसके लिए अरबों मैसेज को सालों तक स्टोर करना होगा। वाट्सएप अपने मैसेज प्लेटफॉर्म के लिए एन्क्रिप्शन का इस्तेमाल करता है। एन्क्रिप्शन का मतलब यह है कि आपके द्वारा मैसेज गए मैसेज की जानकारी सिर्फ आपको और उसे है जिसे आपने भेजा है। कंपनी के पास भी आपके मैसेज की जानकारी नहीं होती है कि आपके क्या भेजा है यानी आपके मैसेज को कोई भी तीसरा व्यक्ति नहीं पढ़ सकता है।

महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न का मामला

बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप तय करने का रास्ता साफ

नई दिल्ली। यूपी की कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के आरोपों में झटका लगा है। दिल्ली की अदालत ने उनकी ओर से दाखिल उस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि उनके ऊपर लगे आरोपों की और जांच की जाए। ऐसे में उन पर अब यौन उत्पीड़न केस में आरोप तय करने का रास्ता साफ हो गया है। अदालत के इस फैसले से बृजभूषण शरण सिंह की चुनावी उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। भाजपा सूत्रों के अनुसार पार्टी चाहती है कि बृजभूषण शरण सिंह पर यदि कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ती है तो वह खुद चुनाव न लड़ें। इसकी बजाय परिवार के ही किसी सदस्य यानी पत्नी या बेटे को मौका दें। ऐसी स्थिति में अदालत के फैसले के बाद अब लगता है कि बृजभूषण शरण सिंह का टिकट भी कट सकता है। खुद बृजभूषण शरण सिंह के तेवर भी इसके संकेत दे रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों टिकट के सवाल पर कहा भी था कि जो भगवान राम चाहेंगे, वही होगा। यही नहीं उनका कहना था कि पार्टी ने अब तक दूल्हा तय नहीं किया है, लेकिन जिसे भी उतारा जाएगा, वह बड़ी जीत हासिल करेगा। उनके बयान में जिसे भी उतारा जाएगा से यह अर्थ निकाला गया था कि शायद अब वह अपने अलावा परिवार के ही किसी सदस्य को लड़ाने के लिए तैयार हो गए हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट की जज प्रियंका राजपूत की अदालत ने कहा कि अब बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप तय करने का फैसला 7 मई को होगा। इससे पहले 18 अप्रैल को ही अदालत फैसला सुनाने जा रही थी, लेकिन बृजभूषण शरण सिंह की ओर से अपील की गई थी कि इस केस की और जांच की जाए। उनकी दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था और अब उनकी अर्जी खारिज करने का आदेश दिया है।

लोकसभा चुनाव-2024 : त्रिपुरा में सबसे ज्यादा 77.93% वोटिंग, महाराष्ट्र, बिहार और उत्तरप्रदेश मे सबसे कम 53% मतदान

दूसरा चरण भी कम वोटिंग के साथ गुजरा

नई दिल्ली/भोपाल। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान शुक्रवार को खत्म हो गया। दूसरे दौर में मणिपुर समेत 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर वोटिंग हुई। इन सीटों पर कुल 1202 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रहे। मणिपुर की बाहरी मणिपुर लोकसभा सीट के 15 विधानसभा क्षेत्रों में पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान हो चुका है, जबकि अन्य 13 विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे चरण में मतदान हुआ है। जिन 88 सीटों पर शुक्रवार को वोटिंग हुई है उनमें शाम 7 बजे तक के आंकड़े के अनुसार, त्रिपुरा पूर्व सीट पर सबसे ज्यादा 78.53% फीसदी मतदान दर्ज किया गया है। वहीं, सबसे कम 45.94% वोटिंग मध्यप्रदेश की रीवा पर सीट पर हुई है। हालांकि, चुनाव आयोग ने अंतिम आंकड़े नहीं जारी किए हैं। जिन 88 सीटों पर शुक्रवार को वोटिंग हुई है उन सीटों पर 2019 में कुल 70.09 फीसदी वोट पड़े थे। सबसे ज्यादा 84.14 फीसदी मतदान मणिपुर की बाहरी मणिपुर सीट पर हुआ था। वहीं, सबसे कम 53.70 फीसदी मतदान कर्नाटक की बैंगलोर दक्षिण सीट पर दर्ज किया गया था। जिन राज्यों में वोटिंग हुई है उनमें पिछले चुनाव में मणिपुर, असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में 80 फीसदी से ज्यादा वोट पड़े थे। वहीं, बिहार, महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश ऐसे राज्य थे जहां 65 फीसदी से कम वोटिंग हुई थी। दूसरे चरण में जिन राज्यों में मतदान हुआ, उनमें असम में 5 सीटों पर वोटिंग हुई। बिहार में 5 सीटों पर मतदान हुआ। वहीं छत्तीसगढ़ (03), जम्मू एवं कश्मीर (01), कर्नाटक (14), केरल (20), मध्यप्रदेश (06), महाराष्ट्र (08), राजस्थान (13), त्रिपुरा (01), उत्तर प्रदेश (08) और पश्चिम बंगाल में 03 सीटों पर वोटिंग हुई है।

हिमाचल में बिगड़ा मौसम, लाहौल-स्पीति सहित ऊंची चोटियों पर बर्फबारी, मनाली-लेह मार्ग बंद

हिमाचल प्रदेश के कई भागों में मौसम ने करवट बदली है। मौसम विभाग के अलर्ट के बीच जनजातीय जिले लाहौल-स्पीति, किन्नौर व चंबा के पांगी क्षेत्र के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी हुई है। शुक्रवार रात को लाहौल घाटी सहित कुल्लू के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने से तापमान में गिरावट दर्ज कह गई है। केलांग व कुकुमसेरी का न्यूनतम तापमान फिर माइनस में पहुंच गया है। अटल टनल रोहतांग से वाहनों की आवाजाही जारी है, लेकिन शिंकुला दर्रा व दारचा से सरचू तक हाईवे फिर से अवरूद्ध हो गया है। बीआरओ ने कुछ दिन पहले इस मार्ग को बहाल किया था। अप्रैल महीने के अंतिम सप्ताह में भी लाहौल-स्पीति जिले में बर्फबारी का सिलसिला नहीं थम रहा है। कुल्लू में भी शुक्रवार रात को बारिश हुई है। मौसम के बिगड़े मिजाज के कारण सेब के पौधों में फलों की सेटिंग की प्रक्रिया प्रभावित होने की संभावना है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश से सेब पर खिले फूल झड़ रहे हैं। राज्य में शनिवार सुबह 10ः00 बजे तक तीन नेशनल हाईवे व 60 सड़कों पर आवाजाही ठप थी। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी व अन्य कई भागों में अंधड़ चलने से 532 बिजली ट्रांसफार्मर बंद रहे। शिमला में भी रात को हल्की बारिश व अंधड़ चला। आज धूप खिलने के साथ हल्के बादल छाए हुए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से हिमाचल प्रदेश के कई भागों में आगामी चार दिनों तक मौसम खराब बना रहने की संभावना जताई गई है। 27 व 29 अप्रैल के लिए भारी बारिश, अंधड़ चलने व ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बिलासपुर, चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सिरमौर, सोलन, ऊना में कुछ स्थानों पर गरज के ओलावृष्टि और अंधड़ व बारिश होने की संभावना है। 1 मई के बाद मौसम साफ रहने की संभावना है।

40 फीट गहरी खाई में गिरी इंदौर से अकोला जा रही यात्री बस, 19 लोग घायल

बुरहानपुर। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के जसौदी गांव के पास शनिवार तड़के एक यात्री बस अनियंत्रित होकर करीब 40 फीट गहरी खाई में जा गिरी। जिससे बस में सवार करीब एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हो हो गए।जानकारी के अनुसार यात्री बस इंदौर से अकोला जा रही थी। इस दौरान बस हादसे का शिकार हो गई। बस के खाई में गिरते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई। जिसके बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और यात्रियों को बस से बाहर निकाला। **बस के परमिट की जांच कर रही पुलिस**-वहीं हादसे की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद हादसे में घायल 19 यात्रियों को अस्पताल भेजा गया। फिलहाल सभी ही हालत खतरे से बाहर है। पुलिस इस बात की जांच भी कर रही है की बस का परमिट था या नहीं।

नैनीताल की कॉलोनी तक पंहुची आग, वायु सेना ने संभाला मोर्चा

नैनीताल, उत्तराखंड। उत्तराखंड के जंगल आग में धधक रहे हैं। पिछले 36 घंटों से लगी आग, अब नेनीताल की कॉलोनी तक पहुंच गई है। शुक्रवार शाम को आग की लपटे कॉलोनी तक पहुंच गई। जंगल के पास खाली पड़े एक घर को नुकसान हुआ है। हालांकि उसके अलावा कॉलोनी के अन्य घर और लोग सुरक्षित हैं। 24 घंटों में आग लगने की 31 नई घटनाएं सामने आई है। आग के चलते, जंगल का करीब 33.34 हिस्सा तहस-महस हो गया है। ऐसे में अब थल सेना का जवानों के अलावा, वायु सेना के हेलीकॉप्टर भी आग बुझाने के काम में लग गए हैं। आग बढ़ने के बाद, शुक्रवार को वायु सेना के हेलिकॉप्टर के जरिए आग बुझाने का निर्णय लिया गया। स्क्वॅड्रन-17 विमान शुक्रवार शाम ही नैनीताल पहुंच गए थे। इसके बाद शनिवार सुबह से ही विमानों ने भीमताल झील से बाल्टी में पानी भरकर जंगल की आग बुझाने का काम शुरु किया। उत्तराखंड के लड़ियाकांटा के जंगलों में वायु सेना के विमानों का पानी डालने का वीडियो भी सामने आ रहा है। आग एयर फोर्ट स्टेशन तक पहुंचने का भी खतरा है, जिसे देखते हुए ही आग बुझाने वायु सेना के विमान शामिल हुए।उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग फैलने का खतरा बढ़ रहा है। कई आवश्यक आर्मी लोकेशन पर ये आग पहुंच सकती है। इस बीच सुरक्षा की दृष्टि से नैनीताल की नैनी झील में बोटिंग बंद करवा दी गई है। जिससे हेलीकॉप्टर्स को आग बुझाने में समस्या ना आए। इसके अलावा रुद्रप्रयाग से 3 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। इनपर जंगल में आग लगाने के आरोप हैं। जंगलों में लगी आग के बीच प्रदेश के सीएम पुष्कर सिंह धामी का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा- जंगलों की आग हमारे लिए बहुत चुनौती है। लगातार आग बढ़ी है। हम लगातार जरूरत की चीजों के लिए काम कर रहे हैं। सेना से भी मदद मांगी है। सेना के हेलीकॉप्टर आज आग में पानी डाल रहे हैं। जल्द से जल्द आग पर काबू पाने के लिए काम कर रहे हैं।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान को कोर्ट ने दी बड़ी राहत, ईडी के एक केस में मिली जमानत; वक्फ बोर्ड से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने AAP विधायक अमानतुल्ला खान को बड़ी राहत दी है। अदालत ने उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की शिकायत पर दर्ज मामले में जमानत दे दी है।दिल्ली की एमपी/एमएलए अदालत ने उन्हें 15,000 रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि पर जमानत दे दी है। ईडी ने हाल ही में दिल्ली वक्फ बोर्ड में नियुक्ति और उनकी संपत्तियों को पट्टे पर देने में कथित अनियमितताओं से संबंधित मामले में एजेंसी के सामने पेश नहीं होने और जांच में शामिल नहीं होने के लिए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि बीते दिनों ही आप विधायक जांच में शामिल होने ईडी के दफ्तर पहुंचे थे। वहां उनसे देर रात तक पूछताछ हुई जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी की भी खबरें आने लगीं। हालांकि देर रात ईडी ने उन्हें छोड़ दिया।

अजमेर की मस्जिद में घुसकर मौलवी की हत्या, तीन लोगों ने डंडे से पीट-पीटकर मार डाला

अजमेर। राजस्थान में अजमेर में मौलवी की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। अजमेर के कंचन नगर मस्जिद में तीन अज्ञात बदमाशों ने मौलवी माहिर की हत्या की है। पुलिस के अनुसार, तीन लोग जबरदस्ती मस्जिद में घुस आए थे और उन्होंने पीट-पीटकर मौलवी की हत्या कर दी।रामगंज के थाना प्रभारी रवीन्द्र सिंह ने बताया कि मस्जिद के पास एक कमरा बना हुआ था, जिसमें वो मौलवी रहते थे। वहां कुछ बच्चे भी रह रहे थे, जिन्होंने बताया कि 3 लोगों ने डंडे से मौलवी के साथ मारपीट की, जिसके बाद उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। सीसीटीवी में देखा गया कि तीन नकाबपोश मस्जिद में आए थे। हालांकि, अभी तक पुलिस को हत्या के कारण का पता नहीं लग पाया है।

सिंगल कॉलम

31 मई तक हो सकेगा आधार-पैन लिंक, ट्रस्टों को भी छूट

इंदौर। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने दो सर्कुलर जारी करते हुए करदाताओं को राहत प्रदान की। पहला सर्कुलर उन करदाताओं के लिए है जिन्होंने अब तक अपना आधार और पैन कार्ड लिंक नहीं किया। 31 जुलाई 2023 तक जिन करदाताओं के आधार और पैन कार्ड लिंक नहीं हुए थे, उनके पैन सरकार ने अवैध करार दिए थे। लेकिन ऐसे करदाताओं का टीडीएस काटने वाले एम्लॉयर या अन्य भुगतानकर्ता को पता ही नहीं होता था। जिसका टीडीएस काटा जा रहा, उसका आधार पैन कार्ड से लिंक है या नहीं। उनका साधारण दर से ही टैक्स काटा गया। नियम के मुताबिक आधार पैन कार्ड से लिंक नहीं होने की दशा में सर्वाधिक टैक्स दर लागू है, जो एनआरआई के लिए 30त्न और स्थानीय लोगों के लिए 20त्न है। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे में आयकर विभाग ने उन सभी लोगों को टीडीएस वसूली का नोटिस भेजा है, जिनके आधार पैन कार्ड से लिंक नहीं थे और उनका टैक्स कम कटा था। ऐसे सभी करदाताओं को सर्वाधिक दर से टैक्स देने के नोटिस भेजे गए। ऐसे मामले देशभर में सैकड़ों की संख्या में हैं। इस मुद्दे को करदाताओं ने सरकार के समक्ष उठाया था, जिसके बाद सीबीडीटी ने सभी करदाताओं को 31 मई 2024 तक का समय दिया है फिर से अपने आधार को पैन कार्ड से जोड़ने के लिए। ऐसा करने से करदाताओं पर विभाग द्वारा निकाली गई अतिरिक्त डिमांड स्वतः समाप्त हो जाएगी।

सिकलीगर से खेत में छिपाकर रखे 6 कट्टे जब्त, 100 से ज्यादा बेच चुका

इंदौर। चार दिन पहले पकड़ाए सिकलीगर के खेत से क्राइम ब्रांच ने 6 हथियार जब्त किए हैं। इससे अब तक 8 हथियार बरामद हो चुके हैं। आरोपी ने कबूला कि वह अब तक सौ से ज्यादा कट्टे बेच चुका है क्राइम ब्रांच के एडि. डीसीपी राजेश दंडोतिया के अनुसार आरोपी गुरुबचन सिंह बडोले (52) निवासी ग्राम धूलकोट (खरगोन) के घर के पास खेत से 12 बोर के 4 देशी कट्टे, 32 बोर की 2 देशी पिस्टल जब्त की है। कुछ दिन पहले सीकर जिले के बदमाश जितेंद्र से एक पिस्टल मिली थी। पिस्टल लेकर वह राजस्थान जा रहा था। उसने कबूला कि वह खरगोन जिले के गुरुवचन से अवैध हथियार खरीदकर लाया है। इसके बाद दबिश देकर गुरुवचन को पकड़ा था। तब उसके दो कट्टे बरामद हुए थे। रिमांड पर पूछताछ में उसने बुधवार को 6 कट्टे और बरामद करवाए। आरोपी देशी कट्टे और पिस्टल बनाने में माहिर है। इसे एक कट्टा बनाने में मात्र 3 से 4 घंटे लगते हैं। दिनभर में दो कट्टे बना लेता है। अच्छी क्वालिटी का कट्टा बनाने इसे 2500 रुपए की लागत आती है। दलालों के मार्फत इसे 10 से 15 हजार में बेच देते हैं। उसके खिलाफ दूसरे जिलों की पुलिस ने भी कार्रवाई की है। इसके बाद भी वह जेल से छूटने के बाद फिर से हथियार बनाने लगता है। जबकि उसकी जानकारी खरगोन पुलिस को भी है। उससे और पूछताछ जारी है।

पाक्सो एक्ट के आरोपियों को हाईकोर्ट ने किया बरी

इंदौर। पाक्सो एक्ट के एक मामले में हाईकोर्ट ने आरोपी और उसके दोस्त को बरी कर दिया है। कोर्ट में सामने आया कि प्रेमिका ने अपनी मां के दबाव में अपने प्रेमी और उसके दोस्त पर केस दर्ज करवाया था। युवक और युवती के बीच में लंबे समय से संबंध थे और जब केस दर्ज करवाया गया तब युवती बालिग थी। अधिवक्ता रजत रघुवंशी ने बताया कि बाणगंगा थाने में दर्ज मामले में आरोपी मन और अनुज को बरी किया गया है। दोनों पर पाक्सो और अन्य धाराओं में केस दर्ज थे। रजत ने बताया कि कोर्ट में युवती और उसकी मां युवती के बालिग होने के साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाई। युवती ने शिकायत में यह भी बताया था कि दोनों आरोपी उसे बाइक पर जबरदस्ती हाथ पांव बांधकर बैठाकर ले गए थे। युवती की एक सहेली ने इस बात को भी खारिज करते हुए बयान दिया कि युवती खुद उसके सामने युवक के साथ सहमति से गई थी। कोर्ट ने यह भी पाया कि युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध थे। इन सभी आधार पर कोर्ट ने मन और अनुज को बरी किया।

मां के दबाव में दर्ज करवाया था केस युवती ने अपनी मां के दबाव में युवक और उसके दोस्त पर केस दर्ज करवाया था। युवती की मां को दोनों के बीच प्रेम संबंध की भी जानकारी नहीं थी। कोर्ट में युवती की मां युवती के जन्म से संबंधित दस्तावेज भी पेश नहीं कर पाई। जो जन्म प्रमाण पत्र दिया गया वह इंदौर में बना था और युवती का जन्म उप्र के बलिया में हुआ था। इस आधार पर कोर्ट ने वह जन्म प्रमाण पत्र खारिज कर दिया। कोर्ट ने युवती की मां से शादी का समय पूछा और उस आधार पर युवती के जन्म का समय जांचा। इसमें युवती घटना के वक्त बालिग निकली।

कोर्ट के आदेश के चार माह बाद भी हुकमचंद मिल के आधे से ज्यादा मजदूरों को नहीं मिला मुआवजा

इंदौर। हाई कोर्ट के आदेश और मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की मंच से की गई घोषणा के बावजूद हुकमचंद मिल के मजदूरों को बकाया भुगतान मिलने में दिक्कत आ रही है। हालत यह है कि 5895 मजदूरों को मुआवजा मिलना है लेकिन चार माह बाद भी सिर्फ 2500 मजदूरों के खातों में ही भुगतान पहुंच सका है। भुगतान जारी करने की गति तेज करने की लगातार मांग के बावजूद कुछ नहीं हो रहा। मजदूर नेताओं का कहना है कि जिस गति से मुआवजा जारी हो रहा है, उससे तो सभी मजदूरों को भुगतान मिलने में एक वर्ष से ज्यादा समय लग जाएगा। हुकमचंद मिल प्रबंधन ने 12 दिसंबर 1991 को मिल बंद कर दिया था। उस वक्त मिल में 5895 मजदूर काम करते थे। इन सभी ने बकाया वेतन और मुआवजे के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

अक्टूबर 2023 में नगर निगम और मप्र हाउसिंग बोर्ड द्वारा मिल की जमीन पर आवासीय और व्यावसायिक प्रोजेक्ट लाने की सहमति बनने के बाद मप्र हाउसिंग बोर्ड ने मजदूरों के पक्ष में 217 करोड़ 86 लाख रुपये की राशि परिसमापक के खाते में ट्रांसफर की थी।

अब तक 2500 मजदूरों को ही मिली राशि हाई कोर्ट के आदेश के बाद बनी तीन सदस्यीय समिति द्वारा मजदूरों का सत्यापन करने के बाद यह राशि मजदूरों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जा रही है। मजदूर नेता नरेंद्र श्रीवंश ने बताया कि अब तक सिर्फ 2500 मजदूरों के खाते में ही मुआवजे की राशि पहुंची है। समिति ने 1425 मृत मजदूरों की पत्नियों की तरफ से फार्म समिति को भेज दिए हैं, लेकिन इनका भुगतान अब तक नहीं हुआ। 400 जीवित मजदूरों को भी मुआवजा मिलना बाकी है।

650 से ज्यादा मजदूरों का अता-पता नहीं श्रीवंश ने बताया कि मिल के 650 मजदूर ऐसे भी हैं जिनका मिल बंद होने के बाद से ही कोई अता-पता नहीं है। ऐसे मजदूरों के लिए भी कोर्ट के आदेशानुसार भुगतान के आदेश हुए हैं, लेकिन अता-पता नहीं होने से इन मजदूरों या उनके स्वजन को भुगतान नहीं हो पा रहा है।

7 दिवसीय श्रीमद भागवत कथाः विधानसभा क्षेत्र क्रमांक दो में कनकेश्वरी मेला ग्राउंड में पर होगी कथा

इंदौर में कल से धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा, पुलिस ने तैयार किया ट्रैफिक प्लान

इंदौर। इंदौर में 28 अप्रैल यानी रविवार से बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज की कथा होने वाली है। इसे लेकर तैयारियां चल रही हैं। पुलिस ने भी वाहन चालकों को असुविधा से बचाने के लिए ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। इसके चलते कथास्थल के आसपास अनेक रास्तों पर यातायात परिवर्तित रहेगा। 28 अप्रैल से 4 मई तक कनकेश्वरी मेला ग्राउंड में बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा 7 दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा भजन एवं आरती शाम 4 बजे से प्रारंभ होकर रात्रि 8 बजे तक होगी। इस दौरान कथा में आने वाले की सुविधा के लिए ट्रैफिक प्लान भी जारी किया गया है।

बाहर से आने वाले श्रद्धालु यहां पार्क कर सकेंगे वाहन –भोपाल, ग्वालियर, देवास की ओर से आने वाले समस्त श्रद्धालु अपने वाहन देवास नाका, निरंजनपुर, बीसीसी तिराहा, न्याय नगर, हीरानगर चौराहा, चंद्रगुप्त चौराहा से आईएसबीटी बस स्टैंड एमआर 10 के अंदर वाहन पार्क कर सकेंगे।

–मंदसौर, रतलाम, उज्जैन की ओर से आने वाले आईएसबीटी बस स्टैंड में वाहन पार्क कर सकेंगे।

धार–झाबुआ के वाहन सुपर कॉरिडोर में खड़े होंगे –धार, झाबुआ की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन सुपर कॉरिडोर होते आईएसबीटी बस स्टैंड में पार्क होंगे।

–खंडवा एवं इंदौर शहर की ओर से आने वाले वाहन समस्त श्रद्धालु अपने वाहन कनकेश्वरी माता मंदिर के सामने से होते हुए केशव कनक विहार के पास स्थित आईटीआई ग्राउण्ड में वाहन पार्क कर सकेंगे।

यहां वाहनों की नो एंट्री कथा आयोजन के दौरान चंद्रगुप्त मौर्य चौराहा से देवनारायण दूध डेयरी, कनकेश्वरी मैदान की ओर जाने वाले मार्ग पर सभी तरह के समस्त वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। एक्सिस बैंक से कनकेश्वरी माता मंदिर की ओर, बंधन गार्डन सब्जी मंडी चौराहा से कनकेश्वरी मैदान मेन रोड की ओर, हीरा नगर थाने के पीछे, फोटो फ्रेमिंग ग्लास हाउस से चंद्रवंशी देव नारायण दूध डेयरी की और जाने वाले मार्ग सहित कथा स्थल के आसपास के अन्य प्रमुख मार्गों से वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। इस दौरान देवास नाका से सिक्का स्कूल बापट चौराहे, लवकुश चौराहे से एमआर–10 टोल सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

इसलिए विधानसभा दो हो रहा कथा का आयोजन कथा विधानसभा दो में कराई जा रही है। इसका सबसे बड़ा कारण नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विधायक रमेश मेंदोला है। प्रदेश में सबसे ज्यादा वोट से जीतने वाली विधानसभा दो है, जहां मेंदोला 1.07 लाख वोट से जीते थे। बीजेपी इस बार मिशन 8 लाख की जीत के लिए यहां से ही डेढ़ लाख वोट की लीड की उम्मीद कर रही है, इसी तरह विजयवर्गीय की विधानसभा 1 से भी एक से डेढ़ लाख लीड का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे में यह दोनों विधानसभा अहम है। इसलिए यहां कथा रखी गई है, अधिक वोट की लीड से भोपाल से लेकर दिल्ली तक इंदौर एक और दो दोनों का राजनीतिक कद बढ़ाने की यह कोशिश है।

भारी वाहन का प्रवेश वर्जित – देवास नाका से सिक्का स्कूल बापट चौराहे की और भारी वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगे।

– लवकुश चौराहा से एमआर 10 टोल नाका चंद्रगुप्त मोर्य चौराहे की और भारी वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगे।

– बापट चौराहे से एक्सिस बैंक होते हुए आमवाला चौराहे तक भारी वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगे।

–बाणगंगा रेल्वे कासिंग से खातीपुरा, गोरी नगर टेम्पू स्टेण्ड चौराहा, आम वाला चौराहे की और भारी वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगे।

–डीआरपी लाइन से परदेशीपुरा चौराहा एवं कनकेश्वरी माता मंदिर की और भारी वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।

डेढ़ घंटे तक कांग्रेसियों की सांसें होती रही ऊपर-नीचे

रद्द होते- होते बचा अक्षय बम का नामांकन फॉर्म

इंदौर। इंदौर लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम और कांग्रेसियों की सांसें शुक्रवार को डेढ़ घंटे तक ऊपर नीचे होती रही। दरअसल भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने अक्षय बम द्वारा धारा 307 की जानकारी नहीं देने को लेकर आपत्ति ली थी। बम को भले ही राहत मिल गई हो लेकिन वोटिंग से पहले उनके लिए फिर धारा 307 मुश्किल बन सकती है। कांग्रेस पार्टी से बड़े मुश्किल से लोकसभा के प्रत्याशी बने अक्षय कांति बम को मतदान से पहले हर रोज परीक्षाएं देना पड़ रही हैं। भाजपा की विधि प्रकोष्ठ की टीम ने उन्हें चारों तरफ से घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी है। इसका जिम्मा इंदौर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक भूपेंद्र सिंह कुशवाहा ने ले रखा है। शुक्रवार को नामांकन फार्म जंचने के बाद रद्द होने की प्रक्रियाएं चल रही थी, यहां इंदौर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक भूपेंद्र सिंह कुशवाहा ने आपत्ति ली कि अक्षय कांति बम पर बरसों पुराने मामले में धारा 307 बड़ी है, उन्होंने अपने नामांकन फार्म में इस धारा 307 को छुपाया है, यह जान बूझकर की गई धोखाधड़ी है। इस आधार पर नामांकन फार्म रद्द किया जाए। इस आपत्ति के पहुंचने के बाद निर्वाचन अधिकारी जांच पड़ताल में जुट गए , तो वहीं कांग्रेसियों और अक्षय कांति बम की सांसें ऊपर नीचे होने लग गई। बाद में बम की तरफ से दिए गए तर्कों को तकनीकी रूप से निर्वाचन अधिकारी ने नामांकन मान्य करते हुए उन्हें इतनी राहत दे दी कि नामांकन रद्द नहीं किया।

तीन प्रत्याशियों के नामांकन खारिज इंदौर में लोकसभा चुनाव के लिए 13 मई को मतदान होना है। शुक्रवार से नामांकन फॉर्म की जांच की प्रकिया कलेक्टर कार्यालय में शुरू हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी इंदौर लोकसभा, जिलाधीश कार्यालय इंदौर के समक्ष लोकसभा प्रत्याशियों के नामांकन फॉर्म की जांच एवं आपत्ति निराकरण की कार्यवाही की गई। कुल 29 जमा नामांकन किए गए थे। एआरओ गोपाल सिंह वर्मा के मुताबिक लोकसभा निर्वाचन के नामांकन फार्म स्क्रूटनी में तीन फॉर्म खारिज हुए है। मोती सिंह, रविंद्र लोखंडे और लीलाधर चौहान के फॉर्म खारिज किए गए है। वहीं 26 में से 23 अभ्यर्थी के नामांकन विधिमान्य पाए गए है। नाम वापसी की आखरी तारीख 29 अप्रैल है।

अप्रैल में बारिश-वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से बदला मौसम

इंदौर में अचानक छाए बादल, होने लगी तेज बारिश...बढ़ गई उमस

इंदौर। इंदौर में शुक्रवार की सुबह पहले तो धूप निकली और पारे में उछाल आने लगा, लेकिन फिर अचानक बादल छाने लगे और बारिश होने लगी। शुरुआत में करीब पांच मिनट तो तेज, लेकिन बाद में बूंदाबांदी होती रही। हालांकि बारिश थमने के बाद एक बार फिर धूप निकली और उमस और गर्मी का अहसास होने लगा। इंदौर में जहां गुरुवार को पारा 39 डिग्री को पार कर गया था, तो वहीं शुक्रवार की सुबह भी मौसम साफ था, करीब 9 बजे से बादल छाने लगे और लगने लगा था कि जोरदार बारिश होगी। लगभग एक घंटे बाद तेज बारिश हुई, जो पांच मिनट तक हुई और बूंदाबांदी के बाद बारिश बंद हो गई। अचानक हुई बारिश से मौसम में थोड़ी देकर के लिए ठंडक घुल गई, लेकिन बाद में लोग उमस से परेशान होते रहे। मौसम विभाग ने शहर में बूंदाबांदी का दौर जारी रहने की संभावना जताई है।

आज भी ऐसा ही रहेगा मौसम

मौसम वैज्ञानिकों ने शनिवार को भी इंदौर संभाग में कहीं–कहीं हल्की बारिश के आसार जताए हैं। साथ ही दिनभर बादल छाए रहेंगे और इसके चलते तापमान में तो गिरावट दर्ज की जाएगी, लेकिन बारिश के बाद पड़ने वाली उमस लोगों को खासा परेशान करेगी। दरअसल अभी प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से 6 दिनों से कई हिस्सों में बारिश हो रही है। इंदौर में इसका खास असर नहीं है। बादल जरूर छा रहे हैं, बारिश भी हुई है, लेकिन वह भी थोड़ी देर के लिए ही हुई।

15 किमी प्रति घंटे की गति से चल रही गर्म हवा

इंदौर में दो दिन से गर्मी का खासा प्रभाव है। दिन में 15 किमी प्रति घंटे की गति से चल रही गर्म हवा ने लोगों को हलाकान कर दिया है। दो दिनों से दिन का पारा 39 डिग्री से ज्यादा बना हुआ था। शाम को बादलों के छाने का दौर चल रहा है। शुक्रवार सुबह से भी बादल छाए ।

आज कुछ इलाकों में ऑरेंज और कुछ में यलो अलर्ट

27 अप्रैल को शाजापुर, आगर–मालवा, राजगढ़, गुना, अशोकनगर, सागर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट और मंडला जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, भोपाल, इंदौर, धार, उज्जैन, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, देवास, सीहोर, रायसेन, विदिशा, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, उमरिया, मैहर, शहडोल, अनूपपुर, डिंडोरी में यलो अलर्ट है।

ड्रेनेज लाइन घोटालाः नगर निगम में बगैर काम के आसानी से बिल मंजूर होने का राज

ठेकेदार ने अफसरों को बना रखा है ठेकों में पार्टनर

इंदौर। इंदौर नगर निगम में 28 करोड़ का ड्रेनेज लाइन घोटाला सामने आया है। जिन पांच फर्मों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पांचों फर्मों के कर्ता–धर्ता फरार है। इन फर्मों पर पहले भी अफसर मेहरबान रहे हैं और 20 करोड़ रुपये से ज्यादा इनके खातों में नगर निगम जमा कर चुका है। पैसा जमा करने के दो घोटाले दूसरे कामों की फाइल खंगालने पर पता चले हैं। पैमेंट होते ही ठेकेदार तत्काल रुपये विड्राल कर लेते थे। यह भी पता चला है कि ठेकेदारों के पीछे नगर निगम के अफसरों का ही दिमाग है। उन्होंने ही नगर निगम में ठेकेदार खड़े किए और उन्हें बगैर कामों के आसानी से बिल मंजूर हो जाते हैं। घोटाला करने वाली दो फर्म नींव कंस्ट्रक्शन और किंग कंस्ट्रक्शन आपस में रिश्तेदार हैं। एक ठेकेदार की उम्र ही 80 साल है। पांचों फर्मों में अफसरों की सांठ–गांठ और अघोषित साझेदारी से इनकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि बिल लगाने में ठेकेदारों ने नगर निगम के असली दस्तावेजों का ही इस्तेमाल किया है।

अफसरों द्वारा खुद के ठेकेदारों से काम कराने की परंपरा नगर निगम में सालों पुरानी है। अफसर कई मलाइदार काम अपने ठेकेदारों से कराते हैं और बिल मंजूर होने पर बड़ा हिस्सा खुद रखते हैं। सात साल पहले हुए यातायात घोटाले के समय भी अफसर और ठेकेदारों का गठजोड़ सामने आ चुका है। तब भी अधूरे काम के बिल मंजूरी के लिए अकाउंट विभाग में पहुंच गए थे।

अफसरों के राज में हुए कागजों पर काम

जिस 28 करोड़ रुपये के घोटाले की जांच पुलिस कर रही है। उसे पूर्ण होना तीन साल पहले बताया गया। तब नगर निगम में राजनीतिक परिषद नहीं थी। अफसरों के भरोसे ही नगर निगम चल रहा था। पांच फर्मों के ठेकेदार के नाम पर उस समय भी बिल मंजूर होते रहे। आरोपी ठेकेदारों के बैंक खातों से इसका खुलासा हुआ है।

एक दिन में 500 से ज्यादा चैंबर बन गए

निगम की जांच कमेटी ने 50 फाइलें जब्त की हैं। जालसाजों ने एक दिन में 500 से ज्यादा चैंबर बनाना और पांच किमी तक लाइन खोदना दर्शा कर भुगतान भी ले लिया। एमजी रोड थाने में 28 करोड़ रुपये की गड़बड़ी की एफआइआर दर्ज होने के बाद निगमायुक्त शिवम वर्मा विभागीय जांच करवा रहे हैं। निगम की चार सदस्यीय जांच कमेटी ड्रेनेज विभाग की फाइलें खंगाल रही थी कि ऐसा बंडल हाथ लगा, जिसमें 70 करोड़ रुपये का फजीवाड़ा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक जब्त फाइलें ब्लैक लिस्टेड ठेकेदार मोहम्मद सिद्दीक, मोहम्मद साजिद, मोहम्मद जाकिर, रेणु वढ़ेरा और राहुल वढ़ेरा की हैं। कुछ अन्य ठेकेदारों के नाम भी हैं, लेकिन अफसर खुलकर नहीं बता रहे। इन फाइलों में जनकार्य, उद्यान कार्य, लाइन खोदाई और ड्रेनेज संबंधित कार्य दर्शाए गए हैं। ठेकेदारों ने एक दिन में 500 से ज्यादा चैंबर बनाना और पांच किमी तक की लाइन खोदना बताया, जो व्यवहारिक रूप से संभव ही नहीं है। कमेटी अब रिपोर्ट बना रही है। जिन लोगों ने गड़बड़ी की उन पर भी कार्रवाई की तैयारी है।

ठेकेदार करवाते गए अफसरों के साइन

निगम अफसर ठेकेदारों के इशारे पर काम कर रहे थे। ठेकेदारों ने जाली बिल, स्वीकृति, निविदा बनाकर फाइलें तैयार की और अफसर–बाबुओं से साइन करवाते गए। फाइलें आवक–जावक शाखा से गुजरी ही नहीं। खास बात यह कि आडिट विभाग ने भी ठेकेदारों की शक्ल देखकर भुगतान की स्वीकृति दे दी। जिन फाइलों में गड़बड़ी हुई वो संबंधित शाखाओं में गई ही नहीं। कमेटी को नौ अन्य फाइलों की तलाश है जिनमें घोटाला हुआ है।

सीसीटीवी फुटेज में नहीं दिखे चोर पुलिस एक्जीक्यूटिव इंजीनियर (ईई) सुनील गुप्ता के बयानों की भी जांच कर रही है। गुप्ता द्वारा ही मार्च में 20 फाइलों की चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। गुप्ता का दावा है कि निगम परिसर में खड़ी कार से फाइलें चोरी हुई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज निकाले तो कर्मचारी परिसर में खड़े नजर आए लेकिन कार से फाइल निकालने के फुटेज नहीं मिले। जिन फाइलों में चोरी हुई, उनमें गुप्ता के भी हस्ताक्षर हैं। टीआइ विजयसिंह सिसोदिया के मुताबिक जांच के लिए नमूने लिए गए हैं।

युवक फांसी पर झूला, पत्नी उसी कमरे में बेसुध मिली

भोपाल। शहर के अशोका गार्डन क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने अपने घर में फांसी लगा ली। घटना गुरुवार की है। सूचना पर पहुंची पुलिस को घर में मृतक की पत्नी बेसुध मिली। उसके शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस के अनुसार महिला के होश में आने के बाद पूछताछ की जाएगी, तभी मामले का खुलासा हो सकेगा।

पिपलिया चौराहा का रहने वाला था मृतक पुलिस के मुताबिक सीताराम कुशवाह (42) मूलतः पिपलिया चौराहा जिला विदिशा का रहने वाला था। वह पिछले करीब आठ वर्षों से सेमरा तिराहा स्थित सब्जी मंडी के पास रह रहा था और निजी काम करता था। दंपती के दो बच्चे हैं। गुरुवार दोपहर करीब एक बजे दोनों बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे, जबकि सीताराम और उसकी पत्नी खुशबू कमरे में थे। कुछ देर बाद बच्चों ने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया तो नहीं खुला। आवाज देने के बाद भी जब भीतर से कोई जवाब नहीं मिला तो बच्चों ने मकान मालिक और आसपास के लोगों को सूचना दी। मकान मालिक ने भीतर झांककर देखा तो सीताराम रोशनदान की जाली से दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी पर लटका दिखा, जबकि पत्नी फर्श पर पड़ी दिखी।

महिला को कराया अस्पताल में भर्ती सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो कमरे में सीताराम फंदे पर लटका हुआ था, जबकि पत्नी बेसुध थी। पुलिस ने दोनों को अस्पताल भेजा, जहां सीताराम को मृत घोषित किया गया, जबकि पत्नी का इलाज किया जा रहा है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया गया है। पुलिस का अनुमान है कि घटना से पहले दंपती के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ होगा।

तमाम सुविधाओं से लैस सीएम राइज स्कूल शिक्षण में फिसड्डी... प्रावीण्य सूची में सिर्फ एक विद्यार्थी

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे हाल ही में घोषित हुए। इस दौरान सभी की नजरें सीएम राइज स्कूलों के प्रदर्शन पर भी रहीं, लेकिन इनका भी परिणाम कुछ ज्यादा बेहतर नहीं रहा। भोपाल जिले में आठ सीएम राइज स्कूल हैं। तीन साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो आठ में से दो स्कूलों के परिणाम में गिरावट आई है। वहीं छह स्कूलों के परिणाम में सुधार हुआ है, लेकिन अभी भी उत्कृष्ट और माडल स्कूलों के परिणाम से कम है। सीएम राइज स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता पर विभागीय अधिकारियों का ध्यान अधिक रहता है, लेकिन फिर भी परिणाम अपेक्षा अनुरूप नहीं आया है। वहीं राज्य या जिला स्तरीय सूची में सिर्फ सीएम राइज स्कूल, करोंद के एक छात्र ने जगह बनाई है। इसके अलावा किसी स्कूल का नाम शामिल नहीं है।

बता दें कि सीएम राइज स्कूलों में सामान्य सरकारी स्कूलों से अधिक सुविधा दी गई है। इन स्कूलों को निजी स्कूलों की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। इन स्कूलों में प्रशिक्षित व परीक्षा पास शिक्षक, सर्वसुविधायुक्त लायब्रेरी, स्पोर्ट्स काम्पलेक्स, स्मार्ट क्लास रूम सहित कई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

प्रशिक्षण पर करोड़ों रुपये खर्च

सीएम राइज स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षण देने में करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके बावजूद भी शैक्षणिक गुणवत्ता नहीं सुधर पा रही है। इन स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता भी पर्याप्त है। यहां के शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में नहीं लगाया जाता है। इन स्कूलों में कोई भी गतिविधि या कार्यक्रम नहीं होते हैं। इसके बावजूद भी मेरिट सूची में यहां के विद्यार्थी शामिल नहीं हो पा रहे हैं। इस साल 10वीं का परिणाम अधिक खराब रहा।

विभागीय अधिकारियों का यह तर्क

इस मामले में विभागीय अधिकारियों का कहना है कि सीएम राइज स्कूलों में सामान्य बच्चे पढ़ते हैं, जबकि उत्कृष्ट व माडल स्कूलों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चुने हुए मेरिट वाले बच्चे पढ़ते हैं। यही कारण है कि इन स्कूलों के बच्चे मेरिट में शामिल होते हैं। इस साल उत्कृष्ट विद्यालय के सात विद्यार्थी राज्यस्तरीय और 15 जिला स्तरीय प्रावीण्य सूची में शामिल हैं। प्रदेशभर के सीएम राइज स्कूलों के 10वीं-12वीं के परिणाम की समीक्षा की जा रही है। कमियों को चिह्नित कर सुधार किया जाएगा। इस साल के परिणाम में सुधार हुआ है।

तय समय पर बिल्डर ने मकान बनाकर नहीं दिया अब देना होगा 9.71 लाख रुपये हर्जाना

भोपाल। कोई भी व्यक्ति अपने सपनों का आशियाना बनाने के लिए पैसे जोड़कर बिल्डर को देता है, लेकिन फिर भी उन्हें तय समय पर मकान नहीं मिल पाता है। ऐसा ही एक मामला जिला उपभोक्ता में पहुंचा, जिसमें उपभोक्ता ने साढ़े 14 लाख रुपये देकर 2013 में एक आवासीय प्रोजेक्ट के तहत प्लाट बुक कराया था। 41 लाख रुपये में मकान निर्माण कर देना तय हुआ, लेकिन बिल्डर ने तय समय पर मकान बनाकर नहीं दिया। आठ साल से उपभोक्ता किराए के मकान में रहने के लिए मजबूर है। मामले में जिला आयोग की अध्यक्ष गिरीबाला सिंह, सदस्य अंजुम फिरोज व सदस्य अरुण प्रताप सिंह ने उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय सुनाया। बिल्डर को दो माह के अंदर 9.71 लाख रुपये की राशि देने का आदेश दिया।

दरअसल नेहरू नगर की निवासी ज्योत्सना भरणे ने जिला उपभोक्ता आयोग में फेम डेवलपर्स के डायरेक्टर विवेक सूर्य सिंह व धर्म सूर्य सिंह के खिलाफ 2020 में याचिका लगाई थी। उन्होंने शिकायत की थी कि उपभोक्ता ने बैरागढ़ चीचली कोलार रोड में एक आवासीय प्रोजेक्ट फेम फ्रेंच विला में प्लाट 15 लाख रुपये में बुक किया था। उस पर 41 लाख रुपये में मकान का निर्माण करना तय हुआ था। उपभोक्ता ने दो बार में 9.51 लाख रुपये जमा कर दिए थे। उपभोक्ता को तय समय पर बिल्डर ने मकान बनाकर नहीं दिया।

आयोग ने बिल्डर के तर्क को खारिज कर दिया बिल्डर ने तर्क रखा कि उपभोक्ता द्वारा पूरी राशि समय पर उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण तय समय पर मकान का निर्माण पूरा नहीं हो सका। कई औपचारिकताओं को समय से पूरा नहीं किया। आयोग ने बिल्डर के तर्क को खारिज कर दिया और दो माह के अंदर 9.51 लाख रुपये सहित 20 हजार रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति राशि देने का आदेश दिया।

ट्रांसजेंडर्स का फैशन शो आज... स्वीप आइकान सुरैया भी बिखेरेंगी रैंप पर जलवा

भोपाल संसदीय क्षेत्र में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप गतिविधियों के तहत विभिन्न कार्यक्रम, गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी सिलसिले में 27 अप्रैल, शनिवार को यानी आज 10 नंबर मार्केट में स्थित राग भोपाली में ट्रांसजेंडर्स का फैशन शो आयोजित होने जा रहा है। यह कार्यक्रम शाम सात बजे शुरू होगा। इस फैशन शो में किन्नर गुरु सुरैया नायर 10 ट्रांसजेंडर और 20 माडल रैंप पर वाक करते हुए फैशन का जलवा बिखेरेंगे। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा पहली बार ऐसा कार्यक्रम कराया जा रहा है। इसमें ट्रांसजेंडर्स के साथ-साथ महिला माडल भी शिरकत करते हुए नगरवासियों को लोकतंत्र में सबकी हिस्सेदारी, समावेशी और सुगम मतदान सबकी जिम्मेदारी का संदेश देंगी।

फैशन शो के लिए की रिहर्सल गौरतलब है कि गुरुवार को जिला निर्वाचन आयोग द्वारा किन्नर सुरैया नायर को स्वीप आइकान बनाया गया था। स्वीप के नोडल अधिकारी ऋतुराज सिंह ने बताया कि जिले में स्वीप गतिविधियों को लेकर कार्यक्रम किए जा रहे हैं। जिसके तहत किन्नर सुरैया को स्वीप आइकान बनाया गया है। शनिवार को राग भोपाली में किन्नरों का फैशन शो रखा गया है। जिसको लेकर गुरुवार व शुक्रवार को फैशन शो की रिहर्सल की गई। इस मौके पर सुरैया ने तीन किलो वजनी सोने का हार पहनकर मतदाताओं से मतदान की अपील की। इस फैशन शो की डिजाइनर अल्पा रावल हैं। इस फैशन शो के अंत में शहर की सभी स्वीप आइकान हस्तियां रैंप पर मतदान की अपील करने उतरेंगी। यहां पर यह भी बता दें कि पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव के दौरान ट्रांसजेंडर समुदाय ने शत प्रतिशत मतदान की अपील करते हुए मतदाताओं को जागरूक करने शहर में रैली निकाली थी। भोपाल में लोकसभा चुनाव के लिए तीसरे चरण में 07 मई को मतदान होगा।

मध्य प्रदेश के G व PG कॉलेजों में प्रवेश के लिए एक मई से शुरू होंगे आवेदन

भोपाल। मप्र बोर्ड 12वीं का परिणाम जारी होने के बाद अब कॉलेजों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी और निजी कॉलेजों में यूजी व पीजी सहित बीएड में प्रवेश के लिए एक मई से प्रवेश प्रक्रिया शुरू करेगा। इस बार दो मुख्य और एक कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) राउंड होंगे। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित समय-सारिणी जारी की है।

इसके अनुसार यूजी कोर्स में प्रवेश के लिए प्रथम चरण की पंजीयन प्रक्रिया एक मई से शुरू होगी। पंजीयन की आखिरी तारीख 20 मई है। वहीं पीजी पाठ्यक्रम में पंजीयन दो से 21 मई तक होंगे। दस्तावेजों का सत्यापन दो से 21 मई तक होगा। प्रवेश के लिए पहले दो चरण आनलाइन काउंसलिंग की जाएगी, जबकि तीसरे चरण में कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) की जाएगी, जो 21 जून से शुरू होगी।पंजीयन करवाने के बाद कॉलेजों में छात्राओं को पहले राउंड में नि शुल्क और दूसरे व सीएलसी राउंड में 350 रुपये की छूट रहेगी। मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों की सूची लगाई जाएगी। यूजी के पहले चरण की सीट आवंटन होने के बाद विद्यार्थियों को 25 मई से तीन जून तक फीस जमा करना होगी।

दूसरे चरण के लिए पंजीयन 27 मई से होंगे शुरू- यूजी में दूसरे चरण के लिए आवेदन 27 मई से और पीजी के लिए 28 मई से शुरू होंगे। दस्तावेजों का सत्यापन 28 मई से शुरू होगा। दूसरे चरण की प्रक्रिया तीन जुलाई तक चलेगी।

गुठली और पानी सहित छह जिलाबदर बदमाश गिरफ्तार

भोपाल। क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को अलग-अलग क्षेत्रों में जिलाबदर आदेश का उल्लंघन करने वाले बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपित जिलाबदर होने की समय सीमा के दौरान जिले में घूम रहे थे। ऐसे छह जिलाबदर के आरोपितों को गिरफ्तार कर उन्हें संबंधित थाने शाहपुरा, ऐशबाग, हबीबगंज, खजूरी सड़क एवं गौतम नगर को सुपुर्द किया गया है। करीब तीन दिनों से यह कार्रवाई की जा रही थी।

क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

जानकारी के मुताबिक लोकसभा चुनाव को ध्यान मे रखते हुए शहर में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण के लिए पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणाचारी मिश्र आरोपितों की जिलाबदर निर्देश के उल्लंघन करने वाले बदमाशों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए थे। इस पर क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई की और इन बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

इन्हें किया गिरफ्तार

गिरफ्तार बदमाशों में शाहपुरा निवासी 28 वर्षीय राहुल मीणा, जनता क्वार्टर ऐशबाग निवासी 19 वर्षीय आमिर उर्फ गुठली, जेपी नगर गौतम नगर निवासी 30 वर्षीय सोनू पंथी, श्यामनगर हबीबगंज निवासी 37 वर्षीय अभिषेक राय उर्फ गोलू, कोलार निवासी 26 वर्षीय आमिर उर्फ पानी और फंदा खजूरी सड़क निवासी 25 वर्षीय शिवम उर्फ शुभम रैकवार को गिरफ्तार कर संबंधित थाना पुलिस को सुपुर्द किया गया। इन सभी बदमाशों के खिलाफ कई प्रकरण थानों में दर्ज हैं।

मतदाता जागरूकता के लिए ट्रांसजेंडर्स का फैशन शो, जनजातीय संग्रहालय में देखें चित्र प्रदर्शनी

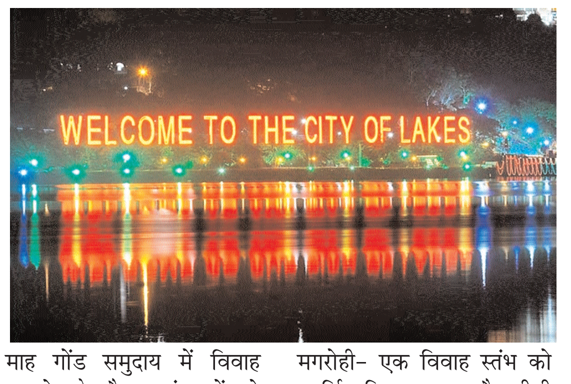

भोपाल। शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शनिवार 27 अप्रैल को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।

छायाचित्र प्रदर्शनी - जीपी बिड़ला संग्रहालय में मध्य प्रदेश में स्थित धरोहरों की छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। इसे सुबह साढ़े दस बजे से शाम पांच बजे तक देखा जा सकता है।

ग्लोबल इंडिया प्रदर्शनी - होटल जहांनुमा पैलेस में ग्लोबल इंडिया प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश भर से आए हुए फैशन डिजाइनरों और महिला उद्यमी अपने लेटेस्ट संग्रह और डिजाइन का प्रदर्शन करेंगे। समय सुबह 11 बजे से है।

माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में माह का प्रादर्श श्रंखला के तहत इस माह गोंड समुदाय में विवाह समारोह के दौरान आंगन में बने मड़वा (विवाह मंडप) के नीचे स्थापित किया जाने वाला मगरोही- एक विवाह स्तंभ को प्रदर्शित किया जा रहा है। वीथी संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में गोंड समुदाय की चित्रकार संदीप्ती परस्ते के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। 48वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी को दोपहर 12 से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है।

नाट्य कार्यशाला - पीएनटी चौराहे पर स्थित मायाराम सुरजन भवन में समांतर नाट्य संस्था द्वारा नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। बचों और युवाओं के लिए आयोजित वर्कशाप का समय शाम पांच बजे से रात आठ बजे तक है।

फिल्म प्रदर्शन - विश्व संवाद केंद्र में सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना पर आधारित फिल्में निरंतर दिखाई जाती हैं। इसी कड़ी में शाम पांच बजे से 100वीं फिल्म हू एम आइ का प्रदर्शन किया जाएगा।

झंकार उत्सव - संस्था नुपूर डांस अकादमी द्वारा सूरज मोहन सिंह की स्मृति में झंकार वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की आयोजक दीक्षा अस्थाना हैं

श्रद्धांजली

ठा.सा.श्री कल्याणसिंह जी विकावद
स्वर्गवास दिनांक - **25/04/2024**

साम्पदकीय

क्यों करोड़ों भारतीयों की सेहत को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया?

दो भारतीय कंपनियों के मसाले में वास्तव में घातक पदार्थ मौजूद हैं तो गुणवत्ता नियामक संस्था फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जांच क्यों नहीं की? क्यों करोड़ों भारतीयों की सेहत को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया? आरोप लगा है कि इन मसालों में कैंसर का कारक बन सकने वाला एथिलीन ऑक्साइड पेस्टीसाइड मिला है। एमडीएच और एवरेस्ट मसालों के बैन के मामले में भारत ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के फुड रेगुलेटर्स यानी खाद्य नियामक से डीटेल्स मांगी हैं। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने सिंगापुर और हांगकांग दोनों में भारतीय दूतावासों को इस मामले पर एक डीटेल्ड रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया। मिनिस्ट्री ने एमडीएच और एवरेस्ट से भी डीटेल्स मांगी हैं। वैसे देखा जाए तो भारतीय मसालों का जिक्र किए बिना दुनिया का इतिहास पूरा नहीं हो सकता। विदेशी शासकों के राज से पहले भी भारतीय मसाले देश की आर्थिकी का मजबूत आधार होते थे। इनकी गुणवत्ता के लिहाज से भारत को मसालों के देश की संज्ञा दी जाती रही है। भोजन को लजीज बनाने, इम्यूनिटी बढ़ाने व पाचन सुधारने में इनकी बड़ी भूमिका रहती है। लेकिन यह खबर परेशान करने वाली है कि दुनिया के कई देशों में भारतीय मसालों में सेहत के लिए हानिकारक पदार्थ पाए गए हैं। ये मसाले सदियों तक भारत की पहचान होते थे। कहा जाता है कि कभी पुर्तगाली व अन्य यूरोपीय हमलावर मसालों की तलाश में ही भारत आए थे। ये मसाले न केवल रोगनाशक बल्कि इम्यूनिटी बढ़ाने वाले भी होते हैं। पूरे कोरोना संकट में इन मसालों ने ही देश के लोगों का मनोबल बनाए रखने में खासी मदद की। यहां तक कि आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सक हमारी रसोई को आम भारतीय का मेडिकल स्टोर तक कहते हैं। बहरहाल, हांगकांग व सिंगापुर में दो चर्चित भारतीय कंपनियों के मसालों को सेहत के लिये घातक बताते हुए इन पर प्रतिबंध लगाया गया है। ये वे मसाले हैं, जिनका भारत के हर घर में उपयोग होता है और जो भारतीयों के स्वाद में रचे-बसे हैं। यह तथ्य भी विचारणीय है कि यदि इन कंपनियों के मसाले में वास्तव में घातक पदार्थ मौजूद हैं तो गुणवत्ता नियामक संस्था फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जांच क्यों नहीं की? क्यों करोड़ों भारतीयों की सेहत को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया? हकीकत यह भी है कि चीनी स्वामित्व वाले हांगकांग में दो भारतीय ब्रांड्स के मसालों पर बैन लगाया गया है। आरोप लगाया गया कि इन मसालों में कैंसर का कारक बन सकने वाला एथिलीन ऑक्साइड पेस्टीसाइड मिला है। जिसके चलते हांगकांग की फूड सेफ्टी अथॉरिटी ने दो भारतीय बड़े ब्रांड्स के चार मसाले जांच में फेल कर दिये हैं।

दरअसल, हांगकांग के फूड एंड एनवायरमेंटल हाइजीन डिपार्टमेंट ने पांच अप्रैल को जारी रिपोर्ट में दो भारतीय कंपनियों के करी पाउडर, सांभर मसाला, फिश करी मसाला व मिक्स्ड मसाला पाउडर के सैंपल फेल होने की बात कही है। वहीं कहा जा रहा है कि यूरोपीय यूनियन ने सैकड़ों भारतीय खाद्य पदार्थों में ऐसे ही केमिकल का उपयोग पाया है। उनका कहना है कि यूरोप जाने वाले उत्पादों में यह केमिकल रूटीन तौर पर पाया जाता है। जिसमें अखरोट, तिल के बीज, मसाले व अन्य खाद्य उत्पाद शामिल हैं। इनमें कुछ को बॉर्डर से वापस भेजा गया तथा कुछ को बाद में बाजार से हटा दिया गया। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बता रहे हैं कि एथिलीन ऑक्साइड के प्रभाव से लिंफोमा और ल्यूकीमिया आदि कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। खाद्य सुरक्षा पर नजर रखने वाली संस्थाएं इन्हें घातक बता रही हैं। उल्लेखनीय है कि बीते सालों में अफ्रीका में बच्चों की मौत का कारण जिस भारतीय कफ सीरप को बताया गया था, उसमें भी एथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा पाई गई थी। निस्संदेह, भारत सरकार और नियामक संस्थाओं को इन आरोपों को गंभीरता से लेना चाहिए। एक पक्ष यह भी है कि ये मामले तब सामने आए हैं, जब पिछले दिनों भारत सरकार ने कुछ यूरोपीय स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों को सेहत के लिये हानिकारक घोषित किया है। इसके बावजूद हमें ध्यान रखना होगा कि दुनिया के मसाला कारोबार में हमारी हिस्सेदारी 43 फीसदी है। अतः भारत को अपने मसाला उत्पादों की विश्वसनीयता बनाये रखनी होगी। भारत दुनिया का सबसे बड़ा मसाला उत्पादक व निर्यातक देश भी है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2005 के बाद भारत के मसाला निर्यात में तीस फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। साथ ही इस दशक के अंत तक मसाला उद्योग को दस अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। यदि इनकी गुणवत्ता में किसी भी तरह खोट नजर आती है तो इससे भारत की प्रतिष्ठा को भी आंच आएगी। इसके साथ ही भारतीय नागरिकों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा। बहुत संभव है आने वाले दिनों में फिर से भारत में खड़े मसालों की ओर लौटने का रुझान बढ़े।

तीसरे मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने की पैरवी

अभी तक सीपीएम के बारे में यह माना जाता था कि वह विचारधारा पर आधारित पार्टी है। लेकिन वह अपने विदेशी स्वभाव के कारण सौ साल बीत जाने पर भी हिंदुस्तान में अपने पैर नहीं जमा सकी। समाप्ति के इस अंतिम चरण में उसने भी किसी न किसी तरह सांस चलती रहे के सूत्र को आधार मान कर कांग्रेस के साथ गठबंधन करके अपनी स्थिति हास्यास्पद बना ली है।

पिछले कुछ दिनों से राहुल गांधी देश में घूम-घूम कर बराबर मांग कर रहे हैं कि झारखंड और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते भाजपा सरकार ने जेल भेज दिया है, लेकिन भ्रष्टाचार के इसी प्रकार के आरोपों के कारण केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा? राहुल गांधी का कहना है कि विजयन को बिना देर किए तुरंत गिरफ्तार कर लेना चाहिए। राहुल गांधी को गुस्सा और आश्चर्य है कि विजयन को क्यों गिरफ्तार नहीं किया जा रहा? वे इसका विश्लेषण करते हुए कहते हैं कि केरल में भारतीय जनता पार्टी पिनराई विजयन से मिली हुई है। यहां यह बताना जरूरी है कि पिनराई विजयन सीपीएम के नेता हैं और सीपीएम तथाकथित इंडिया गठबंधन में राहुल गांधी की कांग्रेस की सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी है। राहुल गांधी के देश के कम्युनिस्टों से कैसे संबंध हैं, इस पृष्ठभूमि में यह जान लेना भी जरूरी है। इसका सामान्य उत्तर तो यही होगा कि बहुत अच्छे हैं।

यह भी कहा जाता है कि पिछले कुछ वर्षों से तो इतने अच्छे हो गए हैं कि बहुत से कम्युनिस्ट कांग्रेस पार्टी में ही चले गए हैं और उन्होंने वहां राहुल गांधी के रथ की कमान ही संभाल रखी है। उनमें से कुछ ने कांग्रेस के नीति पत्र लिखने का काम संभाल लिया है। शायद यही कारण है कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में स्पष्ट कर दिया है कि वह देश के सभी लोगों का सर्वे करवाएगी और पता करेगी कि लोगों के पास क्या-क्या है। फिर उसे जरूरतमंदों में रिडिस्ट्रिब्यूट करेगी। अब किन लोगों में करेगी, इसको लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने अपनी आशंका व्यक्त की है कि कांग्रेस यह पैसा देश में घुस आए अवैध घुसपैठियों में बांट देगी। कांग्रेस का सारा मामला कार्ल मार्क्स वाला बनता जा रहा है।

कम्युनिस्ट भी बहुत खुश थे। सभी रैलियों में वे राहुल गांधी के साथ मंच पर खड़े होकर हाथ लहरा लहरा कर अपनी खुशी का इजहार करते थे। लेकिन इस बीच एक घटना हो गई। राहुल गांधी लोकसभा के लिए हो रहे चुनाव में केरल के वायनाड से खड़े हो गए। कम्युनिस्टों ने संकेतों में उन्हें समझाया भी कि इधर मत आया करो। उधर हिंदी पट्टी से ही चुनाव लड़ा करो। लेकिन राहुल गांधी नहीं माने। वे जानते हैं कि हिंदी पट्टी बहुत तप रही है। वहां चुनाव लड़ना अब खतरे से खाली नहीं रहा। 2019 की चोट राहुल गांधी भूले नहीं हैं। इसलिए वे फिर वायनाड में दिखाई देने लगे। स्वाभाविक है कम्युनिस्टों को गुस्सा आता और यह गुस्सा आ भी रहा है। जब दो गहरे मित्र लड़ते हैं तो कई बार मामला बहुत बढ़ जाता है और अजीब अजीब रहस्योद्घाटन होने लगते हैं। राहुल गांधी और कम्युनिस्टों के मामले में भी ऐसा ही हो रहा है। राहुल गांधी ने पिनराई विजयन को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार करने की मांग शुरू कर दी है। जाहिर है इससे लैफ्ट डैमोक्रेटिक फ्रंट को भी गुस्सा आता। केरल में सीपीएम ने कुछ दलों को साथ लेकर एलडीएफ यानी लैफ्ट डैमोक्रेटिक फ्रंट बना रखा है।

मोर्चा ने भी राहुल गांधी को लेकर कुछ मांगें करनी शुरू कर दीं। लेकिन ताज्जुब है कि मोर्चा ऐसी मांगें कर रहा है, जो अपने स्वरूप में राजनीतिक न होकर मौलिक प्रकार की हैं। मोर्चा के एक विधायक पीवी अनवर ने मांग की है कि राहुल गांधी के डीएनए की तुरंत जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल इस देश में चौथे दर्जे के नागरिक हैं और उन्हें अपने नाम से तुरंत गांधी नाम हटा देना चाहिए। अनवर की इस मांग के कारण दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए हैं। राहुल गांधी कहते हैं कि पिनराई विजयन को भ्रष्टाचार के चलते गिरफ्तार करो और मोर्चा कहता है कि राहुल गांधी का डीएनए टैस्ट कराओ। मामला गम्भीर होता देख पत्रकारों के मन में आया कि इस विषय पर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से भी बात कर लेनी चाहिए। लेकिन विजयन तो उससे पहले ही सक्रिय हो गए थे। उन्होंने एक चुनावी सभा में राहुल पर एक बहुत ही गहरा प्रहार किया। इस प्रहार की मारक क्षमता को मध्य काल के हिंदी कवि बिहारी के एक दोहे की सहायता से समझा जा सकता है। बिहारी के दोहों के बारे में कहा जाता है, देखन में छोटे लगें, घाव करें गम्भीर।

विजयन का जनसभा में किया गया प्रहार ऊपर से देखने से तो मामूली लगता है, लेकिन घाव बहुत गहरा कर गया है। पूरा सोनिया परिवार मरहम पट्टी करने में व्यस्त है। पिनराई विजयन ने कहा, राहुल जी, अतीत में आपको एक नाम से संबोधित किया गया था। अब ऐसी बातें मत करो जिससे लगे कि आप अभी तक वहीं के वहीं खड़े हो। उस समय तो जनसभा में बैठे बहुत से श्रोता भी नहीं समझ सके कि कामरेड विजयन क्या कह रहे हैं, लेकिन दो-तीन घंटों में ही केरल के चैनलों ने अर्थ समझाना शुरू कर दिया। दरअसल 2011 में केरल के ही उस समय के मुख्यमंत्री कामरेड अच्युतानंदन ने राहुल के बारे में पूछे जाने पर कहा था कि वह तो अमूल बेबी है। उस समय से केरल में राहुल गांधी को अमूल बेबी कहा जाने लगा था। बाद में उत्तर भारत में राहुल गांधी को पप्पू कहा जाने लगा। सोनिया परिवार के लिए राहुल गांधी के इस तरह के नामों से छुटकारा पाना भी एक राजनीतिक समस्या ही बन गई।

कुछ महीने पहले जब राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा निकाली तो प्रियंका गांधी से पत्रकारों ने पूछा था कि इस यात्रा की उपलब्धियां क्या हैं, तो तब प्रियंका ने एक उपलब्धि यह भी बताई थी कि इस यात्रा से लोगों को पता चल गया है कि राहुल अब पप्पू नहीं रहा, उससे बहुत आगे निकल चुका है। लेकिन अब 2024 में विजयन निराश हैं कि राहुल बौद्धिक स्तर पर अभी भी 2011 में ही रुके हुए हैं, यानी अमूल बेबी। इस सबके बावजूद कांग्रेस और सीपीएम देशभर में सांझी चुनाव रैलियां भी कर रहे हैं। इन रैलियों में राहुल भी होते हैं और सीपीएम के दिग्गज भी। पर धुकधुकी दोनों को लगी रहती है। कामरेड डरे रहते हैं कि कहीं राहुल मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की गिरफ्तारी की मांग न कर दें, और कांग्रेस वाले डरे रहते हैं कि कहीं कामरेड राहुल गांधी के डीएनए की जांच की मांग न कर दें। यही हालत पंजाब में है।

चंडीगढ़ में आम आदमी पार्टी के भगवंत मान कहते हैं कि कांग्रेस से अच्छी कोई पार्टी नहीं है। इसके प्रत्याशी को जिताओ। लेकिन दस कदम चलने पर पंजाब आ जाता है। वहां कार से उतर कर वही भगवंत मान चिल्लाते हैं, कांग्रेस से बचो। यह सबसे बड़ी भ्रष्टाचारी है। स्थिति दिन-प्रतिदिन हास्यास्पद होती जा रही है। लेकिन दोनों बराबर डटे हुए हैं कि भाजपा को हराना है। दरअसल आज भारतीय राजनीति का सबसे बड़ा संकट विश्वसनीयता को लेकर है। राजनीतिक दल येन केन प्रकारेण सत्ता हथियाना चाहते हैं। विचारधारा की उनकी दृष्टि में कोई अहमियत नहीं रह गई है। अभी तक सीपीएम के बारे में यह माना जाता था कि वह विचारधारा पर आधारित पार्टी है। लेकिन वह अपने विदेशी स्वभाव के कारण सौ साल बीत जाने पर भी हिंदुस्तान में अपने पैर नहीं जमा सकी। समाप्ति के इस अंतिम चरण में उसने भी किसी न किसी तरह सांस चलती रहे के सूत्र को आधार मान कर कांग्रेस के साथ गठबंधन करके अपनी स्थिति हास्यास्पद बना ली है। ऊपर के सभी प्रकरण इसी पृष्ठभूमि में समझे जा सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी पर भी यह आरोप लग रहा है कि उसने भी दूसरे दलों के अनेक लोगों को शामिल कर लिया है। लेकिन भाजपा उन लोगों का उपयोग भी अपनी वैचारिक यात्रा को गति प्रदान करने के लिए ही कर रही है। यही कारण है कि आज सब राजनीतिक दल चिल्ला रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी अपने एजेंडे के हर काम को क्रियान्वित कर रही है।

जंगल की आग का भयावह राग, जल संरक्षण से निकलेगी बचाव की राह

उत्तराखंड में जंगल की आग एक बार फिर बड़ा रूप ले चुकी है, जबकि इस बार तो पहले से ही पता था कि जंगल की आग विकराल रूप लेगी। अभी अप्रैल खत्म भी नहीं हुआ और अब तक करीब 256 हेक्टेयर जंगल में आग लग चुकी है। जंगल में आग लगने की 245 घटनाएं हो चुकी हैं। जाहिर है, आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ेगी। वनों में आग लगने का इतिहास बहुत पुराना है, लेकिन पहले छिटपुट घटनाएं होती थीं, जिन पर तुरंत नियंत्रण पा लिया जाता था, क्योंकि तब न इतनी प्रचंड गर्मी पड़ती थी और न ही ऐसी ज्वलनशील पादप प्रजातियां थीं। तब वन और जन का रिश्ता अटूट था। पूरे गांव के लोग इस दवानल पर भारी पड़ते थे। वनाग्नि सिर्फ उत्तराखंड के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश और दुनिया के लिए चिंता का विषय है। ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे आग को भड़काने में पूरी भूमिका निभाते हैं, क्योंकि दुनिया का औसत तापमान अगर बढ़ चुका है, तो आग तो पूरी दुनिया के जंगलों में लगेगी ही। कनाडा, कैलिफोर्निया, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया इसके ताजा उदाहरण हैं। इन देशों में शीतोष्ण जलवायु है, फिर भी ग्लोबल वार्मिंग के कारण दावानल की घटनाएं होती रहती हैं। मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के एक शोध से पता चला है कि आग 2001 से ज्यादा ही कहर ढा रही है। वर्ष 2001 में 30 लाख हेक्टेयर वनों को आग से नुकसान हुआ, तो 2021 में 90 लाख हेक्टेयर वन राख हुए। कनाडा में 2022 में 60 लाख हेक्टेयर वन राख हो गए। रूसी वनों के हालात भी ऐसे ही थे, जहां 2020 की तुलना में 2021 में 31 फीसदी ज्यादा वन जले। सच तो यह है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, वनाग्नि की घटनाएं तेजी से बढ़ेंगी, क्योंकि 150 वर्षों के अध्ययन से पता चला कि प्रचंड गर्मी की स्थिति आज पांच गुना बढ़ गई है। दुनिया भर में वनाग्नि के बड़े असर होंगे। अंतर बस इतना है कि बेहतर प्रबंधन के कारण विकसित देश ऐसी आपदा से जल्दी निपट लेते हैं, जबकि विकासशील या पिछड़े देशों को ज्यादा नुकसान उठाना पड़ता है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते वनों की आग एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ी है। पृथ्वी पर अब मात्र 31 फीसदी वन बचे हैं। दुनिया में प्रति व्यक्ति श.61 हेक्टेयर वन क्षेत्र बचे हैं, जबकि अपने देश में यह 0.08 हेक्टेयर है। यह स्वस्थ उपलब्धता नहीं कही जा सकती। अपने देश की चिंता ज्यादा बड़ी है, क्योंकि हमारे यहां उष्णकटिबंधीय परिस्थितियां हैं। शीतकाल में पर्याप्त वर्षा न होने से मिट्टी में पर्याप्त नमी नहीं होती। इसी वजह से झाड़ ज्यादा होने तथा पत्ते नहीं हटाए जाने से उनमें तुरंत आग पकड़ लेती है, जो जल्दी रुकने का नाम नहीं लेती। जब शुरू में आग लगती है, तो उसमें एयर गैप आ जाता है, जिसे भरने के लिए हवाएं चलती हैं, जिसके चलते आग तेजी से फैलती है। अन्य कारणों में, शीतकालीन वर्षा का अभाव, पतझड़ लंबा होना तथा गर्मी का लगातार बढ़ना तो है ही। पिछले कुछ वर्षों से हम लगातार वनों की आग को झेल रहे हैं, लेकिन कोई प्रभावी कदम नहीं उठा पाए हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है पर्याप्त संसाधनों की कमी। खास तौर से वन विभाग में एक-एक फॉरेस्ट गार्ड के नियंत्रण में करीब डेढ़ सौ से 200 हेक्टेयर वन आते हैं, जो वनों की देखभाल करने के लिए पर्याप्त नहीं है। वनाग्नि की घटनाएं तेजी से बढ़ने का एक और कारण है कि 1988 से पहले वन गांव वालों की भागीदारी से पनपते थे, लेकिन आज वह कड़ी टूट चुकी है। आज की वन नीति में गांव की भागीदारी चाहे जितनी भी हो, वह प्रभावी नहीं दिखती। इसके अलावा वनों और गांव के बीच दूरी बढ़ गई है। पहले गांव के गांव वनों की आग बुझाने के लिए जुट जाते थे। लेकिन अब परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। वन विभाग के पास न तो पर्याप्त मैनपावर है और न ही सटीक रणनीति। जंगलों में आग लगने से सिर्फ वनों का नुकसान नहीं होता, बल्कि वन्य जीव भी मारे जाते हैं। खास तौर से छोटे पशु-पक्षी, जिनके जीवन का आधार ही वन है। यही नहीं, पारिस्थितिकी दृष्टिकोण से इस आग से मिट्टी फटने लग जाती है और फिर बारिश में सारी उपजाऊ मिट्टी बहकर चली जाती है।

सिंगापुर से सीखें कचरे की रीसाइक्लिंग, पर्यावरण के साथ अर्थव्यवस्था के लिए भी हितकारी

देश में कचरा या अपशिष्ट प्रबंधन एक बहुत बड़ी समस्या है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगर भी इस समस्या से ग्रस्त हैं। दिल्ली के बाहरी इलाके में कई जगह कूड़े-कचरे के पहाड़ देखे जा सकते हैं। लेकिन यह ऐसी समस्या नहीं है कि इसे हल नहीं किया जा सकता है। अब कचरा प्रबंधन एक बहुत बड़ा व्यवसाय बन गया है। सिंगापुर और इंदौर जैसे कुछ शहरों में सुनियोजित तरीके से कचरे का प्रबंधन किया जाता है। दिल्ली सरकार चाहे तो सिंगापुर से कचरा प्रबंधन की सीख ले सकती है। सिंगापुर जैसे देश में भी कचरा प्रबंधन की चुनौती थी। देश की बढ़ती आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ने इस दिशा में मुश्किल खड़ी कर दी थी। वर्ष 2016 में एक दिन में रिकॉर्ड 8,559 टन कचरा इकट्ठा किया गया था। वहीं 2019 में 72 लाख टन से अधिक ठोस कचरा पैदा हुआ। इसमें से 29.5 लाख टन कचरे को रीसाइकल नहीं किया जा सका। यह कचरे की एक बड़ी मात्रा थी, जिसे सावधानीपूर्वक और कुशलता से प्रबंधित करने की जरूरत थी। पर अब सिंगापुर ने इस समस्या को हल करने का एक आसान तरीका खोज लिया है। सिंगापुर में राष्ट्रीय पर्यावरण एजेंसी (एनईए) सभी सामान्य और खतरनाक कचरे की देखरेख करती है। कचरा इकट्ठा करने के बाद उसे एक भस्मीकरण संयंत्र में एक

हजार डिग्री सेल्सियस तापमान पर जलाया जाता है। जलने के बाद जो राख बचती है, उसे ऐसे पानी में बहाया जाता है, जो समुद्र में न मिलता हो। इसके अलावा रीसाइक्लिंग का भी विकल्प है, लेकिन सभी सामग्रियों को रीसाइकल नहीं किया जा सकता है, जैसे पॉलीस्टाइनिन। यही बात खाद बनाने पर भी लागू होती है, क्योंकि केवल जैविक सामग्री, जैसे भोजन और पेड़ के स्क्रैप से ही खाद बनाई जा सकती है। इसलिए भस्मीकरण को सबसे अच्छा उपाय माना जाता है। कचरों को जलाने के क्रम में निकलने वाली जहरीली गैस को वैज्ञानिक तरीके से छान लिया जाता है, जिससे वायु प्रदूषण भी नहीं होता। कचरे के दहन से उत्पन्न गर्मी का उपयोग बिजली उत्पादन में किया जाता है। यहां के लोग खुद ही कागज, प्लास्टिक और कांच के कचरे को रीसाइकल करते हैं। भारत में 75 प्रतिशत पुनर्नवीकृत करने योग्य कचरे के केवल 30 प्रतिशत का ही पुनर्नवीनीकरण हो पाता है। इसलिए अपशिष्ट प्रबंधन व्यवसाय में विकास की काफी संभावना है। कई उद्यमी कचरे के प्रबंधन और इसे महत्वपूर्ण संसाधनों में बदलने के नए तरीकों के बारे में सोच रहे हैं। बढ़ते घनत्व और तेजी से औद्योगिकीकरण के कारण बड़ी मात्रा में जहरीले और गैर-खतरनाक कचरा उत्पन्न होते हैं। कचरे में कई तरह की वस्तुएं होती हैं। इनमें प्लास्टिक से बनी बोतलें, प्लास्टिक से बनी फिल्में, फोम और कठोर प्लास्टिक रेशे तथा अन्य चीजें शामिल हैं। कुछ नगर पालिकाएं और निगम सामान्य उपयोग के लिए लेबल वाले कंटेनरों को खुले में रखकर आवासीय और वाणिज्यिक ग्राहकों के लिए रीसाइक्लिंग डिब्बे उपलब्ध कराकर रीसाइक्लिंग को सरल बनाते हैं। पुनर्चक्रण के अनगिनत फायदे हैं और अधिक से अधिक चीजों को पुनः उपयोग लायक बनाकर हम अपने ग्रह को साफ करने में मदद कर सकते हैं। रीसाइक्लिंग न केवल पर्यावरण के लिए, बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी अच्छा है। भारत में सामग्री रिकवरी का बाजार प्रति वर्ष 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है और 2024 तक इसके 537.2 लाख डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय रीसाइक्लिंग निर्माता उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। देश में इस समय कचरे की रीसाइक्लिंग प्रबंधन की दस कंपनियां हैं। इनकी प्रमुख सेवाओं में अपशिष्ट संग्रह, पुनर्चक्रण, निष्कासन और खतरनाक रसायनों का संग्रह, ढुलाई, प्रसंस्करण, प्लास्टिक पुनर्चक्रण और विनाश, कंटेनर किराये पर लेना और सुरक्षा एजेसिंया शामिल हैं। अपशिष्ट संग्रह, छंटाई, निपटान और पुनर्चक्रण को संभालने वाली फर्मों के पास यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपकरण हैं कि कचरे का ठीक से निपटान किया जाए। संग्रहीत कचरे को या तो रीसाइकल किया जाता है या खाद बनाई जाती है। यह कार्बन उत्सर्जन को कम करके पृथ्वी एवं पर्यावरण को बचाता है। कुछ व्यवसाय कचरे को रीसाइकल कर उपयोगी और मूल्यवान वस्तुओं में बदल देते हैं। कुशल अपशिष्ट निपटान पर्यावरण को स्वच्छ रखेगा।

व्हिसल पोडु की धूम के बाद दूसरा गाना रिलीज करने की तैयारी में निर्माता, विजय की फिल्म पर आया बड़ा अपडेट

साउथ सुपरस्टार विजय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म गोट-ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म का क्रेज दर्शकों के बीच अभी से छाया हुआ है। हाल ही में फिल्म का पहला गाना व्हिसल पोडु रिलीज हुआ था, जिसे फैंस ने खूब पसंद किया। वहीं अब फिल्म के निर्माता इसका दूसरा गाना रिलीज करने की तैयारी में हैं, जिसे लेकर दिलचस्प जानकारी सामने आई है। फिल्म के दूसरे गाने को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। वे इसके दूसरे सिंगल के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दूसरे गाने के बारे में बात करते हुए निर्देशकों ने अब पुष्टि की है कि दूसरा एकल जून में रिलीज किया जाएगा। वहीं बात करें पहले गाने की तो कुछ दिन पहले निर्माताओं ने पहला सिंगल व्हिसल पोडु लॉन्च किया था। इस गाने को विजय ने खुद गाया था, जिसे युवान शंकर राजा ने कंपोज किया था। गाने में विजय, प्रशांत, प्रभुदेवा और अजमल अमीर के डांस मूव्स देखने को मिले थे। इसके साथ ही वेंकट प्रभु ने फिल्म के टीजर और ट्रेलर के बारे में भी बात की। दरअसल, वेंकट प्रभु ने आज सुबह ट्विटर पर नेटिजन्स के साथ बातचीत की और इस दौरान विजय के प्रशंसकों ने कई अनुरोध किए। एक प्रशंसक ने वेंकट प्रभु से या तो एक झलक या एक टीजर जारी करने के लिए कहा, जिस पर निर्देशक ने कहा कि अभी कुछ भी जारी करना जल्दबाजी होगी। कहा जा रहा है कि गोट के एल्बम में सभी प्रमुख पात्रों के लिए कई लघु थीम गीतों के साथ चार गाने शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, युवान ने विजय की भूमिका के लिए एक सिग्नेचर थीम सॉन्ग बनाया है, जो प्रतिष्ठित मनकथा थीम की तर्ज पर है। यह फिल्म वेंकट प्रभु द्वारा लिखित और निर्देशित है। इस फिल्म के जरिए वेंकट प्रभु और विजय पहली बार साथ काम कर रहे हैं। गोट विजय की 68वीं फिल्म है। इसे एजीएस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन बैनर द्वारा निर्यात्रित किया गया है। कहा जा रहा है कि यह एक एक्शन-आधारित विज्ञान-फाई फिल्म होगी। इस फिल्म में विजय के अलावा माइक मोहन, प्रशांत, प्रभु देवा, स्नेहा, लैला, जयराम, मीनाक्षी चौधरी और योगी बाबू जैसे कलाकारों की टोली भी शामिल है। फिल्म में वेंकट प्रभु के भाई प्रेमगी, वैभव, अरविंद आकाश और अजय राज जैसे उनके निरंतर सहयोगी भी हैं। यह फिल्म पांच सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अनोखे अंदाज में शहनाज ने आरती सिंह को दी शादी की बधाई, स्क्रीनशॉट किया साझा

25 अप्रैल को टीवी अभिनेत्री आरती सिंह ने दीपक चौहान से शादी रचाई। आरती की शादी में टीवी जगत की कई मशहूर हस्तियों ने शिरकत की और नवविवाहित जोड़े को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान अपनी भांजी आरती को आशीर्वाद देने बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा भी पहुंचे। आरती की शादी में उनकी दोस्त अभिनेत्री शहनाज गिल किन्हीं कारणों से नहीं पहुंच पाईं, लेकिन शहनाज ने उन्हें वीडियो कॉल कर बधाई दी।

स्क्रीनशॉट किया साझा भले ही शहनाज आरती की शादी में ना पहुंच पाई हों, लेकिन उन्होंने अपनी दोस्त को इसकी कमी महसूस नहीं होने दी। अभिनेत्री ने वीडियो कॉल करके जोड़े को शुभकामनाएं दीं और उनके इस खास दिन को और यादगार बना दिया। वीडियो कॉल का स्क्रीनशॉट साझा कर शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम पर भी दोनों को बधाई दी।

अफवाहों पर लगाया विराम शहनाज गिल के आरती सिंह की शादी में शिरकत ना करने पर नेटिजन्स के बीच तरह-तरह की चर्चा शुरू कर दी थी। इन कोरी अफवाहों पर विराम लगाते हुए अभिनेत्री ने वीडियो का स्क्रीनशॉट साझा किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक सकारात्मक नोट लिखते हुए अपनी और आरती की दोस्ती के बारे में बताया।

बिग बॉस के दोस्तों ने की शिरकत आरती की शादी में बिग बॉस 13 के प्रतिभागी रहे शेफाली जरीवाला, माहिरा शर्मा, विशाल आदित्य सिंह, पारस छाबड़ा, रश्मि देसाई, देवोलीना भट्टाचार्य ने शिरकत की। आरती ने दुल्हन के जोड़े में अपनी कई सारी तस्वीरें साझा की, जिसमें वह काफी खूबसूरत लग रही थीं। आरती ने अपनी एक पोस्ट में लिखा, 'मैंने शादी का सपना देखा था, मैंने प्यार का सपना देखा था, मैंने इस दिन का सपना देखा था जब मैं लाल रंग के जोड़े में लिपटूंगी, जब मैं तुम्हारी हो जाऊंगी मेरी जान'।

सुशांत को न्याय दिलाने के लिए बहन की अनोखी पहल, सोशल मीडिया पर चलाया यह अभियान

सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून, 2020 को दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया।अभिनेता के निधन को तीन वर्ष से यादा का समय हो गया है। सुशांत के निधन की खबर कई लोगों के लिए सदमे की तरह आई। सुशांत की मौत आज भी रहस्य बनी हुई है। दिवंगत अभिनेता की बहन ने कई बार अपने भाई के लिए न्याय की अपील की है। हालांकि, अब सुशांत की बहन कीर्ति ने एक नया अभियान शुरू किया है। आइए जानते हैं... सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने अपने भाई की मौत के लिए न्याय मांगने के लिए एक ऑनलाइन अभियान शुरू किया है। जून 2020 में सुशांत अपने मुंबई अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे, उनकी बहन को अक्सर सीबीआई अधिकारियों से अभिनेता की मौत के मामले की जांच तेज करने का आग्रह करते देखा जाता था। हाल ही में, श्वेता सिंह कीर्ति ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर न्याय 4 एसएसआर जन आंदोलन की घोषणा की। इस अभियान के एक हिस्से के रूप में, श्वेता ने सभी से अपनी कलाई या माथे पर एक लाल कपड़ा बांधने, सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने और एजेंसियों से दिवंगत अभिनेता को न्याय देने का अनुरोध करने का आग्रह किया। अपने पोस्ट के कैप्शन में सुशांत की बहन ने भी सीबीआई से जांच तेज करने और सच्चाई को बाहर लाने का आग्रह किया है। श्वेता ने अपने कैप्शन में आगे लिखा,लगभग 45 दिनों में हम अपने भाई सुशांत के निधन के चार साल पूरे कर लेंगे। मैं सीबीआई से अपने भाई की मौत की जांच में तेजी लाने और सच्चाई का खुलासा

'पुष्पा 2' के मेकर्स को मिला प्रशांत वर्मा का साथ जय हनुमान की शूटिंग इसलिए आगे खिसकी

फिल्म 'हनुमान' की सफलता के बाद 'अमर उजाला' को दिए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू के हिसाब से निर्देशक प्रशांत वर्मा इस फिल्म की सीक्वल से पहले प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की दो और फिल्मों की तैयारियां करीब करीब पूरी कर चुके हैं। बताते हैं कि इस बीच उनकी फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह से हुई बातचीत के बाद इस यूनिवर्स से इतर एक और फिल्म की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसके चलते फिल्म 'हनुमान' की सीक्वल 'जय हनुमान' की शूटिंग में विलंब होने जा रहा है और अब इस फिल्म की शूटिंग अब अगले साल शुरू हो पाएगी। इसी साल की शुरुआत में 'अमर उजाला' से बात करते हुए प्रशांत वर्मा ने कहा, फिल्म 'जय हनुमान' से पहले प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) की दो फिल्में और रिलीज होंगी। एक तो 'अधीरा' होगी ही, दूसरी फिल्म जिसके बारे में मैं सबसे पहले 'अमर उजाला' को बता रहा हूं, वह फिल्म होगी 'महाकाली'। ये शक्ति का समाज से सामंजस्य बिठाती फिल्म है और इसका निर्देशन मैं एक महिला निर्देशक से करा रहा हूं।' अब तक माना यही जा रहा था कि फिल्म 'जय हनुमान' की शूटिंग साल 2025 में शुरू हो जाएगी लेकिन बताते हैं कि फिल्म 'पुष्पा' और 'पुष्पा 2' बनाने वाली कंपनी मैत्री मूवीज ने इस बीच निर्देशक प्रशांत वर्मा को अपने लिए एक मेगा बजट फिल्म बनाने के लिए राजी कर लिया है। इस फिल्म का बजट करीब 300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है और इस फिल्म के हीरो होंगे एक हिट की तलाश में भटक रहे अभिनेता रणवीर सिंह। रणवीर सिंह ने रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। उनके पास फिलहाल फरहान अख्तर की फिल्म 'डॉन 3' और सोनी पिक्चर्स की इंटरनेशनल फिल्म 'शक्तिमान' हैं, लेकिन दोनों की शूटिंग कब शुरू होगी, अभी तक तय नहीं है। प्रशांत वर्मा इन दिनों अपने नए कार्यालय के निर्माण में व्यस्त बताए जाते हैं। ये ऑफिस उन्होंने हैदराबाद में अपने पुराने ऑफिस के पास ही लिया है और इन दिनों इसको सजाने संवारने का काम तेजी से चल रहा है। करीब 25 लोगों की टीम इन दिनों 'अधीरा' और 'महाकाली' की तैयारियों को अंतिम रूप देने में दिन रात जुटी हुई है और फिल्म 'जय हनुमान' में हनुमान की भूमिका के लिए साउथ सिनेमा के एक बड़े सितारे को लेने की बात भी करीब करीब तय हो चुकी है। फिल्म 'हनुमान' साल 2024 की भारतीय सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी हिट फिल्म रही है और इस फिल्म के बाद से ही प्रशांत वर्मा के पास तमाम फिल्म कंपनियों के न्यौते आते रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि इन तमाम प्रस्तावों के बीच प्रशांत ने मैत्री मूवीज के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। अभिनेता रणवीर सिंह की इस सिलसिले में प्रशांत वर्मा से मुलाकात हो चुकी है और इस त्रिवेणी के संगम का आधिकारिक एलान फिल्म 'पुष्पा 2' की रिलीज के आसपास किए जाने की तैयारी चल रही है।

गुरुचरण सिंह के लापता होने से हैरान हैं टीएमकेओसी की जेनिफर, अभिनेता के लिए की प्रार्थना

कॉमेडी टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम गुरुचरण सिंह कथित तौर पर लापता हो गए हैं। पिछले कई दिनों से उनकी कोई खबर नहीं मिल रही है। अभिनेता तारक मेहता का उल्टा चश्मा में सोढ़ी की भूमिका निभाने के लिए मशहूर हैं। तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम जेनिफर मिस्त्री ने गुरुचरण सिंह के लापता होने पर हैरानी जताई है। गुरुचरण और जेनिफर दोनों ही शो को छोड़ चुके हैं। जेनिफर ने शो में सोढ़ी की पत्नी रोशन सोढ़ी का किरदार निभाया था।

गुरुचरण के लापता होने पर क्या बोलीं जेनिफर

जेनिफर मिस्त्री ने गुरुचरण सिंह के लापता होने पर बात करते हुए कहा, यह काफी चौंकाने वाला है और मैं बस आशा और प्रार्थना करती हूं कि वे सुरक्षित हों। मैं बस प्रार्थना कर रही कि कुछ गलतफहमी हो और वह ठीक हों। वह बहुत ही आध्यात्मिक और अच्छे इंसान हैं।

एक-दूसरे के संपर्क में थे जेनिफर-गुरुचरण?

उनसे बातचीत के दौरान पूछा गया कि क्या शो को छोड़ने के बाद तारक मेहता का उल्टा चश्मा गुरुचरण के संपर्क में थीं। उन्होंने बताया, मैं पिछले जून से उनके संपर्क में नहीं हूं। उसके बाद हमने एक दूसरे से बात नहीं की। हम पहले संपर्क में थे। उन्होंने मुझे फरवरी में तारक मेहता के 4000 एपिसोड पूरे करने पर बधाई संदेश भेजा था। इसके अलावा हम एक-दूसरे के संपर्क में नहीं थे।

22 अप्रैल से लापता हैं गुरुचरण सिंह

गुरुचरण सिंह के लापता होने की खबर शुक्रवार को ऑनलाइन सामने आई जब उनके पिता ने शिकायत दर्ज कराई। अभिनेता 22 अप्रैल से लापता हो गए हैं। उन्हें दिल्ली से मुंबई पहुंचना था, लेकिन वे मुंबई पहुंचे ही नहीं। अब गुरुचरण सिंह के परेशान पिता ने बेटे को ढूंढने के लिए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जब मैं कपड़े बदल रही थी तब... कृष्णा मुखर्जी ने शुभ शगुन के निर्माता पर लगाए गंभीर आरोप

हिट टेलीविजन शोये है मोहब्बतें से मशहूर होने वाली अभिनेत्री कृष्णा मुखर्जी को आखिरी बार टीवी शोशुभ शगुन में शहजादा धामी के साथ देखा गया था और तब से अभिनेत्री ने टीवी से ब्रेक ले लिया है। अब अभिनेत्री ने शो छोड़ने के पीछे की वजह का खुलासा किया है। आज शनिवार को कृष्णा मुखर्जी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया औरशुभ शगुन निर्माता पर उन्हें परेशान करने और धमकी देने का आरोप लगाया। उन्होंने बकाया भुगतान न करने का भी आरोप लगाया, जिसके कारण उन्होंने शूटिंग बंद कर दी।

तनाव में हैं अभिनेत्री

अभिनेत्री ने कहा कि वे निर्माता की वजह से पिछले कुछ महीनों से अवसाद और चिंता से गुजर रही हैं और दावा किया कि शो के सेट पर उन्हें परेशान किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि निर्माता ने उन्हें मेकअप रूम में बंद कर दिया, जब वह कपड़े बदल रही थीं तो दरवाजा पीटा और कई बार धमकी दी।

शो करना सबसे गलत फैसला

अभिनेत्री की पोस्ट में लिखा है,मुझमें कभी अपने दिल की बात कहने की हिम्मत नहीं थी, लेकिन आज मैंने फैसला किया कि मैं इसे अब और नहीं रोकूंगी। मैं कठिन दौर से गुजर रही हूं और पिछला डेढ़ साल मेरे लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था। मैं उदास और चिंतित हूं और जब मैं अकेली थी तो दिल खोलकर रोती थी। यह सब तब शुरू हुआ, जब मैंने दंगल टीवी के लिए अपना आखिरी शोशुभ शगुन करना शुरू किया। वो मेरी जिंदगी का सबसे खराब फैसला था। मैं ऐसा कभी नहीं करना चाहती थी, लेकिन मैंने दूसरों की बात सुनी और अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए।

शो के निर्माता ने किया परेशान

उन्होंने आगे लिखा,प्रोडक्शन हाउस और निर्माता कुंदन शाह ने मुझे कई बार परेशान किया है। यहां तक कि एक बार उन्होंने मुझे मेरे मेकअप रूम में बंद कर दिया, क्योंकि मैं अस्वस्थ थी और मैंने शूटिंग न करने का फैसला किया, क्योंकि वे मुझे मेरे काम के लिए भुगतान नहीं कर रहे थे और मैं भी अस्वस्थ थी, वे मेरे मेकअप रूम के दरवाजे को पीट रहे थे, जैसे कि वे इसे तोड़ देंगे, जब मैं मेरे कपड़े बदल रही थी। उन्होंने आज तक पांच महीने तक का मेरा भुगतान कभी नहीं चुकाया और यह सचमुच बहुत बड़ी रकम है। मैं प्रोडक्शन हाउस और दंगल ऑफिस गई हूं, लेकिन उन्होंने कभी मेरी बात नहीं सुनी।

सेट पर असुरक्षित महसूस करती थीं अभिनेत्री

अभिनेत्री ने खुलासा किया कि सेट पर उन्हें असुरक्षित महसूस हुआ और इसलिए उन्होंने शो छोड़ दिया। उन्होंने लिखा,कई बार धमकी भी दी गई। पूरे समय मैं असुरक्षित, टूटा हुआ और डरा हुआ महसूस कर रही थी। मैं असुरक्षित महसूस करती हूं। मैंने कई लोगों से मदद मांगी, लेकिन कुछ नहीं मिला। इसमें कोई कुछ नहीं कर सके। लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं कोई शो क्यों नहीं कर रही हूं? यही कारण है। मुझे डर लग रहा है कि अगर वही बात दोबारा हुई तो क्या होगा? मुझे न्याय चाहिए।

कृष्णा को मिला इन सितारों का साथ

जैसे ही अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया तो उन्हें अपने टीवी इंडस्ट्री के दोस्त और साथी कलाकारों का साथ मिला। वे अभिनेत्री के समर्थन में आ गए और उनसे कानूनी कार्रवाई करने को कहा। अभिनेता अली गोनी ने कृष्णा से कहा कि जब वे मुंबई वापस आएं तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए तैयार रहें। श्रद्धा आर्य, अदिति भाटिया, पवित्रा पुनिया और अन्य ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह लड़ाई में अकेली नहीं हैं।

प्रदेश सरकार के नियम कानून कायदे हुए हवा

भीकनगांव धारा 376 के आरोपी पर मेहरबान थाना प्रभारी कर्णावत

पियूष अग्रवाल । सिटी चीफ। खरगोन, मध्य प्रदेश, खरगोन जिले के भीकनगांव थाना पुलिस का अनोखा मामला सामने आया हर बात में अपना पुलिसिया रोभ झाड़ने से पीछे नही हटने वाली पुलिस द्वारा एफ,आई,आर के बाद भी आरोपी को गिरफ्तार नही कर पाई वही तबियत बिगड़ने का बहाना लेकर आरोपी बेखोफ घूम रहा है दिनाक 11 अप्रेल 2024 को अनाम फरियादी द्वारा थाना भीकनगांव में मोन्टी साबले निवासी भीकनगांव के खिलाफ फरियादी द्वारा एफ,आई,आर दर्ज करवाई गई थी इससे पहले फरयादी द्वारा एसडीओपी के समक्ष 10 अप्रेल 2024 को एक आवेदन दिया था जिसमे फरियादी द्वारा बताया गया था में 3 दिन से रोजाना थाने के चक्कर लगा रही हु लेकिन पुलिस द्वारा मेरी रिपोर्ट नही लिखी जा रही अगर मेंरे द्वारा कोई गलत कदम उठाया जाता है तो इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन व मोन्टी के घर वालो की रहेगी वही आवेदन के

बाद एसडीओपी राकेश आर्य जी के एक्सन के बाद 11 अप्रेल को पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376 व 376(2) का प्रकरण दर्ज की विलेचना में लिया गया था लेकिन बाउजूद इसके पुलिस 1 से 2 घण्टे में ही आरोपी को छोड़ दिया था जब से आज तक ना गिरफ्तार हुआ है ना अब तक कोई कार्यवाही नही हुई जिससे अब सवाल यह उठता है कि भीकनगांव थाना प्रभारी व प्रशासन आरोपी पर इतना मेहरबान क्यू है।

यह है नियम:मध्यप्रदेश सरकार के नियम के अनुसार एफआईआर होने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर 24 घण्टे के अंदर कोर्ट में पेश किया जाता है लेकिन पुलिस यह करना जरूरी नही समझा आखिर क्यू इसमें कहि सवाल पैदा होते है

अधिकारियों का कहना: पूरे घटना में भीकनगांव एसडीओपी सर से जब मिडियाकर्मी द्वारा फ़ोन पर चर्चा की गई तो उन्होंने कहा में थाना प्रभारी से बात कर जानकारी लेकर आप को बताता हूं -भीकनगांव एसडीओपी अनुविभागीय अधिकारी - राकेश आर्य

फरियादी लड़की का कहना:एफ आई आर दर्ज होने के बाद भी थाना प्रभारी द्वारा आरोपी को छोड़ दिया गया आज 15 दिन होने के बाद भी गिरफ्तार नही करा जा रहा है बस मुझे ही परेशान करा जा रहा है मेरा मेडिकल करवाया मेने तो प्रशासन का पूरा सहयोग करा उसके बावजूद भी पुलिस क्यो नही गिरफ्तार कर रही.

दमोह जिला पंचायत सीईओ अर्पित वर्मा ने मतदान केन्द्रो का लिया जायजा

ग्रामो की भी व्यवस्थायें देखी

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, दमोह संसदीय क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने जायजा लिया। उन्होंने ग्राम पंचायत सिंग्रामपुर, जबेरा एवं बटियागढ़ के मतदान केंद्रों का जायजा लिया और व्यवस्थायें देखी। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम ने भी अपने मताधिकार का उपयोग किया। दमयंती नगर तहसीलदार मोहित जैन ने सपत्नीक किया मतदान। एसडीएम हटा राकेश सिंह मरकाम ने आधुनिक संचेतन अध्यन केंद्र भवन में बनाये गए मतदान क्रमांक 93 पर पहुंचकर सपत्नीक मतदान किया। हटा ब्लॉक के आदिवासी अंचल में लोकसभा चुनाव में मतदान को लेकर जबरदस्त उत्साह नजर आया, वीरेंद्र आदिवासी और कृपाल आदिवासी दोनो चचेरे भाई वैवाहिक कार्यक्रम को छोड़कर मतदान करने मतदान केंद्र 10 घोघरा पहुंचे, दूल्हों को मतदान केंद्र आता देख मतदान टीम ने उनका स्वागत किया और उनसे वोट कराया, मतदान के बाद दोनो भाई

विवाह के लिए रवाना हुए।

मड़ियादो के मतदान केंद्र 25 पर विदाई से पहले दुल्हन सोनाली ने मतदान किया। सोनाली का विवाह जबलपुर में हुआ है। ग्राम पंचायत समन्ना में वृद्ध मतदाता ने व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचकर अपना मतदान किया। पथरिया के वार्ड क्रमांक 15 की थर्ड जेंडर मतदाता शना उम्र 35 वर्ष तथा थर्ड जेंडर मतदाता सपना उम्र 22 वर्ष ने मतदान केंद्र में जाकर मतदान कर अपना फर्ज निभाया। हटा ब्लाक के आदिवासी अंचल में भी लोगो में उत्साह नजर आया, मड़ियादो, घोघरा आदि क्षेत्रों में मतदान केंद्र के बाहर सुबह से ही लम्बी कतारें लगी हुई थी, वही घोघरा मतदान केंद्र पर पहुंचकर मजरा, धुरखेड़ा गांव कि महिलाओं ने भी अपना वोट डाला।

गैसाबाद में बुजुर्ग महिला की मदद कर थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान और कर्मचारी द्वारा पोलिंग बूथ तक ले जाकर मतदान कराया। शादी जरूरी है पर मतदान भी जरूरी है, बटियागढ़ जनपद अंतर्गत आने वाली खिरिया में रोहित सिंह ने शादी से पहले मतदान केंद्र पहुँचकर मतदान किया। मड़ियादो के दिव्यांग मतदाता दीपक तंतुवाय ने अपने मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान किया। ग्राम बांसा तारखेड़ा के मतदान केंद्र क्रमांक 43 में पूरनचंद जैन उम्र 82 वर्ष ने पहुंचकर मतदान किया।

देवबंद के इंद्रपुर गांव में हवा में उड़ती हुई आई संदिग्ध वस्तु, तेज धमाके से प्राथमिक विद्यालय की दीवार टूट

मौके पर मची अफरा- तफरी, पुलिस जांच में जुटी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ देवबंद। सहारनपुर, देवबंद कोतवाली क्षेत्र के इंद्रपुर गांव में हवा में उड़ती आई संदिग्ध वस्तु ने तेज धमाके के साथ गांव के बाहर बने प्राथमिक विद्यालय की दीवार को तोड़ दिया। आवाज सुनकर वहां ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने संदिग्ध वस्तु को कब्जे में ले लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवबंद कोतवाली क्षेत्र के इंद्रपुर गांव के ग्रामीण तेज धमाके की आवाज से सहम गए। दौड़कर वह गांव के बाहर बने प्राथमिक विद्यालय के पास पहुंचे तो देखा स्कूल की नौ इंच की दीवार का एक हिस्सा टूटा हुआ था और उसके टुकड़े दूर तक फैले हुए थे।

पास ही लोहे की एक संदिग्ध वस्तु भी पड़ी थी। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को

दी। देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से पूछताछ करते हुए संदिग्ध वस्तु को कब्जे में ले लिया। कोतवाल संजीव कुमार ने बताया कि मौके से पांच किलो लोहे की वजनी चीज बरामद हुई है। घटनास्थल से करीब एक किलो मीटर की दूरी पर कुटी रोड है। जहां एक स्क्रैब फैक्टरी है। वहां जाकर जांच की गई। लेकिन वहां सब कुछ ठीक-ठाक मिला। मामले की जांच की जा रही है। लोहे की संदिग्ध वस्तु ऐसी प्रतीत हो रही है कि यदि वह किसी शख्स से टकराती तो उसकी जान जा सकती थी, गनीमत रही कि यह स्कूल की दीवार से ही टकराई। वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

गुरूद्वारा कमेटी के पदाधिकारियों ने यूपीएससी परीक्षा में 10 वां स्थान प्राप्त करने पर उनके पिता अनिल आत्रेय व माता संगीता कौशिक को पटका पहनाकर सम्मानित किया।

सहारनपुर की शुभांशा आत्रेय ने यूपीएससी परीक्षा में 10 वां स्थान प्राप्त किया

गौरव सिंघल। सिटी चीफ देवबंद, गुरूद्वारा कमेटी के पदाधिकारियों ने यूपीएससी परीक्षा में 10 वां स्थान प्राप्त कर नगर का नाम रोशन करने वाली शुभांशा आत्रेय के घर पहुंचकर उनके पिता अनिल आत्रेय व माता संगीता कौशिक को पटका पहनाकर सम्मानित किया। गुरूद्वारा कमेटी के अध्यक्ष व समाजसेवी सेठ कुलदीप कुमार ने कहा कि आज के युग में प्रत्येक क्षेत्र में बेटियां उपलब्धियां हासिल कर रही है। शुभांशा ने अपने परिवार के साथ साथ पूरे देवबंद व जिले का नाम बढाया है उनकी उपलब्धि सदियों तक युवा पीढी के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनकर मार्गदर्शन करती रहेगी। शुभांशा आत्रेय के पिता अनिल आत्रेय ने बेटी की उपलब्धि का श्रेय उसकी माता संगीता कौशिक को देते हुए कहा कि इन्होंने पूरा जीवन बच्चों को समर्पित करते हुए परिवार में पढाई का माहौल बनाते हुए बच्चों की शिक्षा को ही अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। इस दौरान भाजपा नगर महामंत्री एवं वरिष्ठ समाजसेवी राजेश अनेजा, अरूण शर्मा, रमन छाबड़ा, सेठ कुलदीप कुमार, गुरजोत सेठी आदि मौजूद रहे।

ढाई साल से सहारनपुर जिले में नहीं निकला मलेरिया का एक भी केस

लोगों को जागरूक करने के लिए आज आयोजित हुए कई कार्यक्रम

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर, विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर आज सहारनपुर नगर और पूरे जिले में संचारी रोगों मलेरिया आदि की रोकथाम के लिए छात्रों की रैलियां, गोष्ठियां और जागरूक अभियान कार्यक्रम आदि आयोजित किए गए।

सीएमओ डा. संजीव मांगलिक ने जिला अस्पताल में आज छात्रों की ऐसी रैली को हरी झंडी देकर रवाना किया। जिला मलेरिया अधिकारी शिवांका गौड़ ने आज बताया कि पिछले ढाई साल के दौरान जिले में मलेरिया के संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया हैं। जिला मलेरिया अधिकारी शिवांका गौड़ ने बताया कि वर्ष 2022 और वर्ष 2023 में मलेरिया की जांच में कोई भी मामला पॉजीटिव नहीं मिला। 2023 में 2 लाख 98 हजार 611 और 2022 में 2 लाख 59 हजार 141 जांच की गई थी। 2021 में 2 लाख 48 हजार 778 जांच की गई। जिसमें केवल 9 मामले मलेरिया संक्रमण के सामने आए। वर्ष 2020 में 77 हजार 147 जांच में 13 मामले सामने आए थे। वर्ष 2019 में 2 लाख 48 हजार 220 जांच में 198 मामले मलेरिया के निकले थे इस वर्ष 2024 में जनवरी से मार्च तक 40 हजार 922 जांच की गई और एक भी मामला मलेरिया का नहीं पाया गया। शिवांका गौड़ ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग मलेरिया उन्मूलन के सभी निर्देशों का पालन कर रहा है। जिले में

साल-दर-साल मलेरिया के मामले घट रहे हैं और यदि इस वर्ष भी कोई मलेरिया संक्रमण नहीं फैलता है तो सहारनपुर जनपद उत्तर प्रदेश में मलेरिया उन्मूलन में पहले स्थान पर आ जाएगा। शिवांका गौड़ ने बताया कि उत्तर प्रदेश के ललितपुर, अमेठी, चंदौली, मथुरा, चित्रकूट, महोबा, रायबरेली और मेनपुरी ऐसे जिले हैं जो सहारनपुर का अनुशरण कर रहे हैं यानि इन जिलों में भी मलेरिया का संक्रमण नहीं फैल रहा है और मलेरिया का प्रकोप समाप्ति के कगार पर है। आज ब्लाक स्तर पर जागरूकता अभियान के लिए गोष्ठियों का आयोजन किया गया जबकि मलेरिया विभाग की टीम शिक्षण संस्थाओं, सार्वजनिक स्थलों और घर-घर जाकर लोगों को मलेरिया से बचाव को जागरूक कर रहे हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी डा. शिवांका गौड़ ने कहा कि हमारी कोशिश रहेगी कि इस बार भी जिले में मलेरिया का कोई केस सामने नहीं आए। जिले में मलेरिया तो नहीं है लेकिन वायरल बुखार और टाइफाइड के रोगी बहुत हैं। सीएमओ डा. संजीव मांगलिक के अनुसार यदि लोग साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, शुद्ध पानी का इस्तेमाल करें और ताजा और सुपाच्य भोजन ग्रहण करें तो वायरल और टाइफाइड पर भी प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। जिले में मलेरिया से निपटने के लिए 46 गांवों और 19 कालोनियों को संवेदनशील मानकर वहां जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभी गर्मी की शुरूआत हुई है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ने लगा हैं। जुलाई और अगस्त बरसात के महीने होते हैं जिसमें मलेरिया फैलने की आशंका लगातार बनी रहती है। उसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और मलेरिया विभाग लोगों को जागरूक करने में लगा है।

कटनी कलेक्टर और एसपी ने किया मतदान

मतदान केन्द्र क्रमांक 243 में मताधिकार का प्रयोग किया

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवि प्रसाद और पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने देश के महात्यौहार लोकसभा निर्वाचन 2024 में खजुराहो संसदीय क्षेत्र के लिये हो रहे मतदान में मुड़वारा विधानसभा क्षेत्र के शासकीय माध्यमिक शाला झिंझरी स्थित युवा मतदान केन्द्र में कतारबद्ध होकर मतदान किया। कलेक्टर अवि प्रसाद ने माध्यमिक शाला झिंझरी के मतदान केन्द्र क्रमांक 243 में आम मतदाताओं के साथ मताधिकार का प्रयोग किया।

सुंदर पिचाई ने Google में पूरे किए 20 साल, कहा- बहुत कुछ बदल गया

नई दिल्ली। जानी- मानी टेक कंपनी Google के CEO सुंदर पिचाई ने कंपनी में अपनी बीस साल की लंबी यात्रा पूरी कर ली है। पिचाई ने इस खास मौके पर इंस्टाग्राम के एक पोस्ट के जरिए अपनी खुशी जाहिर की है। पिचाई ने इंस्टाग्राम पर एक ही कंपनी, Google में दो दशक पूरे करने पर एक छोटा नोट साझा किया। अपने पोस्ट में उन्होंने पिछले 20 सालों के अपने सफर की झलक पेश की है।

अपने पोस्ट में पिचाई ने कहा कि तब से बहुत कुछ बदल गया है। मगर गूगल के साथ काम करने में पिचाई को एक बेहतरीन अनुभव मिला है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

पोस्ट के जरिए जाहिर की खुशी

सुंदर पिचाई ने अपनी पोस्ट में लिखा कि 26 अप्रैल, 2004 Google में मेरा पहला दिन था। तब से बहुत कुछ बदल गया है - टेक्नोलॉजी, हमारे प्रोडक्ट का उपयोग करने वाले लोगों की संख्याज मेरे बाल। क्या नहीं बदला है - इस अद्भुत कंपनी में काम करने से मुझे जो रोमांच मिलता है। 20 साल बाद भी मैं खुद को भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं।

इसके अलावा पिचाई ने इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ एक तस्वीर भी साझा की। तस्वीर में कुछ गुब्बारे दिखाए गए हैं, जिनमें दो गुब्बारे ऐसे है, जो '20' को दर्शाते हैं। इसके अलावा एक लैंप भी है जिस पर लिखा है '20 साल पूरे होने पर बधाई'। मेज पर दो तस्वीरें भी है, जिसमें एक पिचाई के पहले दिन की और एक वर्तमान की लग रही हैं।

पोस्ट पर इंस्टाग्राम यूजर्स की प्रतिक्रिया

पिचाई ने ये पोस्ट 26 की देर रात को शेयर किया था, जिसमें अब तक 91,000 से अधिक लाइक आ चके हैं। इस शेयर पर बहुत से लोगों ने कमेंट किया हैं। कुछ लोगों ने पिचाई की पोस्ट पर 'बधाई' लिखा। एक इंस्टाग्राम यूजर ने मजाक में कहा कि मैं तय नहीं कर सकता कि कौन सी उपलब्धि बड़ी है, आपके द्वारा लाए गए सभी तकनीकी सुधारों में 20 साल या यह तथ्य कि तकनीक में 20 साल बिताने के बाद भी आप गंजे नहीं हुए हैं।

एक यूजर ने यह भी कहां कि आपके बाल कम हो गए, लेकिन Google का राजस्व बढ़ गया। आपको बताते चले कि सुंदर पिचाई गूगल और अल्फाबेट के सीईओ हैं और अल्फाबेट के बोर्ड ऑफ डॉयरेक्टर में शामिल हैं। वह 2004 में एक प्रोडक्ट मैनेजर के रूप में कंपनी से जुड़े थे।

दिल्ली हाई कोर्ट का एयरलाइन Go First को झटका, सभी 54 विमानों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने को दी मंजूरी

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने एयरलाइन कंपनी को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, कोर्ट ने नागरिक उड्यान नियामक महानिदेशक को निर्देश दिया है कि वह 5 दिन के अंदर एयरलाइन द्वारा विदेशी कंपनियों से किराए पर लिए गए विमान के डी-रजिस्ट्रेशन आवेदनों का निपटारा करे। इसके साथ ही कोर्ट ने के इन सभी विमानों में प्रवेश करने, किसी भी तरीके के संचालन या उड़ान भरने पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। बता दें कि एयरलाइंस के पास विदेशी कंपनियों के करीब 54 विमान हैं। आइए जानते हैं पूरी खबर को विस्तार से।

क्या है पूरा मामला

बता दें कि बीते साल मई, 2023 में विदेशी कंपनियों ने दिल्ली हाईकोर्ट में एयरलाइंस को किराए पर दिए गए अपने विमानों को वापस लेने के लिए अर्जी डाली थी। शुरुआत में डीजीसीए ने कहा कि वह रोक के कारण विमानों को जारी नहीं कर सकता। हालांकि, बाद में डीजीसीए को कोर्ट के फैसले का इंतजार था। बता दें को किराए पर विमान देने वालों में दुबई एयरोस्पेस इंटरप्राइजेज कैपिटल और एसीजी एयरक्राफ्ट जैसी कंपनियां शामिल हैं।

क्या हो सकता है आगे

ऐसे में अगर इस मामले में तुरंत स्थगन आदेश हासिल नहीं करता तो उसके विमानों को विदेशी कंपनियों को वापस लौटाया जा सकता है। ऐसे में एयरलाइन को अपने सभी 54 विमान होने का खतरा है। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट के फैसलों के अनुसार, डीजीसीए को अगले 5 वर्किंग डेज के अंदर द्वारा किराए पर लिए गए विमानों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ना होगा।

इस कारोबार को खरीदने की तैयारी में पतंजलि फूड्स, रामदेव की कंपनी ने किया ऐलान

नई दिल्ली । मुख्य रूप से खाद्य तेल कारोबार से जुड़ी कंपनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने एक अहम ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह प्रमोटर ग्रुप पतंजलि आयुर्वेद के गैर-खाद्य कारोबार का अधिग्रहण करने के प्रस्ताव का मूल्यांकन करेगी। हालांकि पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने गैर-खाद्य उत्पादों के उन कैटेगरी का जिक्र नहीं किया है जिनका वह अधिग्रहण करने के बारे में सोच रही है। सूत्रों की मानें तो पतंजलि फूड्स दांतों की देखभाल, पर्सनल केयर जैसे उत्पाद हासिल करने पर विचार करेगी। बता दें कि बाबा रामदेव की अगुवाई वाले प्रवर्तक समूह के कुल कारोबार में इन उत्पादों की हिस्सेदारी 50-60 प्रतिशत है।

क्या कहा कंपनी ने

पतंजलि फूड्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने गैर-खाद्य व्यवसाय उपक्रम की बिक्री के लिए पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड से मिले शुरुआती प्रस्ताव पर चर्चा की है। कंपनी ने कहा कि निदेशक मंडल ने पतंजलि आयुर्वेद के गैर-खाद्य पोर्टफोलियो के साथ तालमेल बढ़ाने के सबसे कुशल तरीके का मूल्यांकन करने के लिए अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। निदेशक मंडल ने कंपनी अधिकारियों को इसकी जांच-परख करने, पेशेवरों को नियुक्त करने, प्रस्ताव के नियमों एवं शर्तों पर बातचीत करने और आगे के विचार के लिए ऑडिट समिति और निष्कर्षों की जानकारी देने के लिए भी अधिकृत किया।

पतंजलि फूड्स ने बिस्कुट बिजनेस का किया था अधिग्रहण

पतंजलि फूड्स ने अपने उत्पादों को मजबूत करने के लिए मई, 2021 में 60.03 करोड़ रुपये में पतंजलि नेचुरल बिस्कुट प्राइवेट लिमिटेड के बिस्कुट बिजनेस का अधिग्रहण किया था। इसके अलावा उसने जून, 2021 में 3.50 करोड़ रुपये में नूडल्स एवं नाश्ता अनाज व्यवसाय और मई, 2022 में पतंजलि आयुर्वेद से 690 करोड़ रुपये में खाद्य व्यवसाय भी हासिल कर लिया था।

वर्ष 1986 में वजूद में आई पतंजलि फूड्स लिमिटेड पहले रुचि सोया इंडस्ट्रीज के नाम से जानी जाती थी। यह एफएमसीजी की लीडिंग कंपनियों में शामिल है।

खेल

मैच में गेंदबाजों को पिटते देख अश्विन ने लगाई गुहार, युजवेंद्र चहल का रिएक्शन हुआ वायरल

नई दिल्ली । जब किसी टी20 मैच में दोनों टीमें मिलाकर 523 रन बनाएगी तो किसी भी खिलाड़ी को मैच में शामिल गेंदबाजों पर दया आ जाएगी। ऐसा ही कुछ नजारा शुक्रवार 26 अप्रैल की रात केकेआर वर्सेस पीबीकेएस मैच के दौरान देखने को मिला। कोलकाता ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीजन में दूसरी बार 250 रन का आंकड़ा पार किया और 261 रन बोर्ड पर लगाए। इस पहाड़ जैसे स्कोर का पीछा मुश्किल था, मगर नामुमकिन नहीं यह पंजाब किंग्स ने बताया। पंजाब ने इस स्कोर को 8 विकेट और इतनी ही गेंदें शेष रहते हासिल कर हर किसी को हैरान कर दिया। यह आईपीएल ही नहीं बल्कि टी20 क्रिकेट के इतिहास की सबसे बड़ी रन चेज है। इस मैच के बाद भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने गेंदबाजों को बचाने की अपील की। कोलकाता नाइट राइडर्स वर्सेस पंजाब किंग्स मुकाबले के बाद आर अश्विन ने एक्स पर पोस्ट किया, 'कोई तो गेंदबाजों को बचा लोज्प्लीज' अश्विन के इस पोस्ट पर युजवेंद्र चहल ने कमेंट किया जो इस समय काफी सुर्खियां बटोर रहा है। युजी ने एक जिफ शेयर किया जिसमें लिखा है, 'सब भगवान जी के हवाले है।' अश्विन के इस पोस्ट पर फैंस तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा कि क्रिकेट के खेल को बचाने के लिए सबसे पहले इसमें से इंपैक्ट नियम को हटाना होगा, इसके अलावा बॉलर्स फ्रेंडली पिच बनानी होगी। वहीं एक फैन ने लिखा, 'आईपीएल 2024 अब तक का सबसे खराब रहा है।' वहीं एक और फैन ने लिखा, 'जल्द से जल्द पिच क्यूरेटर को अरेस्ट करो।' यह आईपीएल गेंदबाजों के लिए जितना खराब साबित हो रहा है, उससे अधिक बल्लेबाजों के लिए शानदार रहा है। आईपीएल का आगाज 2008 में हुआ था तब से लेकर 2022 तक सिर्फ एक ही बार 250 रन का आंकड़ा पार हुआ था वो भी 2013 में आरसीबी ने किया था, वहीं पिछले सीजन लखनऊ सुपर जाएंट्स ऐसा करने में कामयाब रही थी, हालांकि वह आरसीबी के 263 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ने से चूक गई थी। मगर इस साल 1-2 बार नहीं बल्कि 7 बार 250 रन का आंकड़ा पार हो चुका है। इससे आप गेंदबाजों की दुर्गती का अंदाजा लगा सकते हैं। वहीं इस सीजन आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर 287 भी सनराइजर्स हैदराबाद ने बनाया। एसआरएज ने इस सीजन सबसे अधिक 3 बार 250 रन का आंकड़ा पार किया, वहीं केकेआर ने 2 और आरसीबी व पीबीकेएस ने 1-1 बार ऐसा किया है।

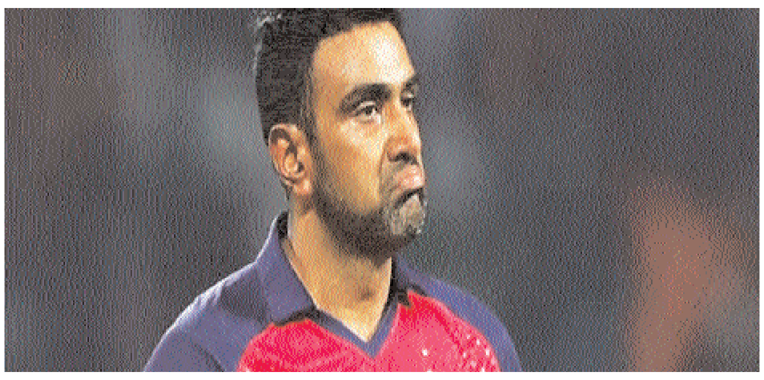

हार्दिक पंड्या बने चाचू, क्रुणाल पंड्या ने शेयर की खुशखबरी, नाम का भी किया खुलासा

नई दिल्ली. लखनऊ सुपर जायंट्स) के ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या दूसरी बार पिता बने हैं. क्रुणाल की पत्नी पंखूड़ी ने बेटे को जन्म दिया है. क्रुणाल ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी है. स्त्न की ओर से आईपीएल में खेल रहे क्रुणाल ने बेटे के नाम का भी खुलासा किया है. हार्दिक पंड्या इस तरह चाचा बन गए हैं जबकि अगस्त्य पंड्या को छोटा भाई मिल गया है. हार्दिक पंड्या इस समय मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हैं. दूसरी बार पापा बनने पर क्रुणाल पंड्या को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है. आईपीएल के बीच पंड्या ब्रदर्स के घर खुशी का माहौल है. क्रुणाल पंड्या ने सोशल मीडिया के अपने ऑफिशियल 'एक्स' डॉट कॉम पर बेटे के साथ कुछ फोटो शेयर की है. तीनों फोटो में क्रुणाल पत्नी पंखुड़ी और बड़े बेटे कबीर के साथ नजर आ रहे हैं. एक फोटो में पंखुड़ी ने छोटे बेटे को गोद में लिया है जबकि दूसरी फोटो में क्रुणाल अपने बेटे को बड़े गौर से निहारते हुए दिखाई दे रहे हैं. क्रुणाल ने इस दौरान बेटे के नाम का भरी खुलासा किया है. उन्हें छोटे बेटे का नाम वायु क्रुणाल पंड्या रखा है. क्रुणाल ने फोटो का कैप्शन लिखा, ' वायु क्रुणाल पंड्या 21.04.24.' यानी क्रुणाल के घर छोटे बेटे का आगमन 21 अप्रैल को हो गया था लेकिन उन्होंने इसकी जानकारी 4 दिन बाद दी.

म.प्र. राज्य एथेलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते दो पदक

भोपाल । 24 से 27 अप्रैल 2024 तक दुबई में आयोजित 21वीं एशियन जूनियर एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में म.प्र. राज्य अकादमी के 02 खिलाड़ियों ने खेल कौशल और शारीरिक दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 01 स्वर्ण और 01 रजत सहित कुल 02 पदक अर्जित कर देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया।

म.प्र. राज्य एथेलेटिक्स अकादमी की खिलाडी एकता डे ने 3000 मी. स्टीपल चेस में स्वर्ण पदक अर्जित किया अकादमी के ही विनोद सिंह ने 5000 मी. में रजत पदक अर्जित किया। विवरण इस प्रकार है-

क्र. खिलाड़ी का नाम इवेन्ट समय पदक
1 कु. एकता डे 3000 मी. स्टीपल चेस 10:31:95 सेकेण्ड स्वर्ण पदक
2 विनोद सिंह पुरूष 5000मी. 14:09:44 सेकेण्ड रजत पदक

अकादमी की खिलाड़ी एकता डे ने अपने परफारमेन्स के साथ विश्व जूनियर एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए पात्रता अर्जित कर ली है। अगस्त 2024 में आयोजित वर्ल्ड जूनियर एथेलेटिक्स चैम्पियशिप पेरू लिमा में होनी है। विश्व जूनियर एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाय निर्धारित समय 10:38:0 सेकण्ड था, 10:31:95 सेकेण्ड का समय निकालकर एकता डे ने पात्रता अर्जित की है। प्रतियोगिता में एकता डे 5000 मी रन में भी अपनी चुनौति देंगी और विकास विंद 3000 मी.रन में अपनी चुनौति देंगें।

देव मीणा अकादमी के युवा पोल वॉल्टर है। आज कुछ समय पश्चात पोल वॉल्ट के मुकाबले होने है, जिसमें देव मीणा भागीदारी करेंगें। देव मीणा ने खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2022 में 5.05 मी. की छलांग लगाकर खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में रिकार्ड बनाया था। वर्ष 2023 के गोवा नेशनल गेम्स में देव मीणा ने स्वर्ण पदक अर्जित किया था और नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया था। देव मीणा ने इस रिकार्ड के साथ विश्व चैम्पियनशिप पेरू लिमा में पात्रता अर्जित की है। इस प्रतियागिता में देव से पदक की उम्मीद है। भारत में अब तक एशियन चैम्पियनशिप दुबई में 05 स्वर्ण, 02 रजत और 01 कांस्य पदक सहित कुल 08 पदक अर्जित करते हुये पहला स्थान प्राप्त किया है। प्रतियोगिता के विस्तृत परिणाम और पदक तालिका संलग्न है।

मुश्किल में पंडित धीरेंद्र शास्त्री के भाई शालिग्राम

पहले जबरदस्ती शादी समारोह में घुसा, अब टोल प्लाजा कर्मियों को पीटा

नेशनल डेस्क- बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिग्राम गर्ग एक बार फिर मुश्किल में पड़ते दिख रहे हैं। आरोप है कि शालिग्राम गर्ग ने देर रात टोल प्लाजा कर्मियों के साथ मारपीट की थी। बताया जा रहा है कि आरोपियों को ढूंढने के लिए पुलिस दबिश दे रही है। हालांकि अभी तक सभी आरोपी फरार हैं। जानकारी के अनुसार, यह मामला मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में गुलगंज थाना क्षेत्र का है। आरोप है कि टोलकर्मियों ने टोल को लेकर जब कुछ लोगों की गाड़ी रोकी तो वे विवाद करने लगे। वो अपने 10 अन्य साथियों के साथ छतरपुर से आ रहे थे। वो अपने 10 अन्य साथियों के साथ छतरपुर से आ रहे थे। पुलिस ने शालिग्राम गर्ग सहित 10 के खिलाफ ख़ङ्क्रदर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

पहले भी शालिग्राम पर दर्ज हो चुका है केस

बता दें कि शालिग्राम गर्ग इससे पहले भी विवादों में रह चुका है। फरवरी 2023 में मध्य प्रदेश की छतरपुर पुलिस ने धीरेंद्र शास्त्री के छोटे भाई सौरभ उर्फ शालिग्राम गर्ग के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। %छोटे महाराज के नाम से फेमस शालिग्राम पर आरोप था कि उसने एक शादी समारोह में घुसकर दलित परिवार को तमंचे के बल पर धमकाया, जातिसूचक गालियां दीं और मारपीट भी की। यह घटना छतरपुर जिले के गढ़ा गांव की थी, जिसका वीडियो भी सामने आया था। इसके अलावा भी शालिग्राम पर पहले भी गांव के दलित परिवार की बेटी की शादी में फायरिंग करने का केस दर्ज हुआ था।

क्या रायबरेली सीट पर अपनी बहन प्रियंका के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे वरुण गांधी ?

उत्तर प्रदेश की राय बरेली और अमेठी सीट पर कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। दोनों सीटों पर कांग्रेस के कार्यकर्ता राहुल और प्रियंका को इस सीट पर चुनाव लड़ने के लिए लगातार दबाव बना रहे हैं। इसी बीच ऐसी भी चर्चा है कि पीलीभीत से वरुण गांधी का टिकट कटने के बाद उन्हें भाजपा रायबरेली से चुनाव मैदान में उतारने की योजना बना रही है। यहां अहम बात यह है कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश में रायबरेली और कैसरगंज सीट को छोड़ कर अपने सभी उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। हालांकि इस मामले से जुड़े जानकारों का यह भी कहना है कि पीलीभीत से टिकट न मिलने के कारण वरुण गांधी भाजपा से नाराज भी चल रहे हैं, इसलिए भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आना भी उनके लिए एक बड़ा विकल्प हो सकता है। जबकि भाजपा में हालात ऐसे है कि वह जीत के लिए किसी से भी किसी तरह का समझौता करने के लिए तैयार है।

वरुण गांधी के पास क्या हैं विकल्प?

एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि वरुण के लिए अब से 2024 उनके राजनीतिक सफर में मील का पत्थर साबित हो सकता है। रिपोर्ट में संभावना जताते हुए कहा गया है कि अगर उन्होंने भाजपा छोड़ी तो कांग्रेस में भी एक दरवाजा खुल सकता है। इसके अलावा वह अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए किसी क्षेत्रीय पार्टी की ओर रुख कर सकते हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के साथ भी उनके अच्छे संबंध हैं और अखिलेश ने हाल ही में पीलीभीत में चुनाव प्रचार के दौरान सार्वजनिक रूप से उनकी प्रशंसा की थी। हालांकि, वरुण गांधी के लिए यह काफी मुश्किल होगा, क्योंकि उनकी माता मेनका पड़ोसी सीट सुल्तानपुर से भाजपा की उम्मीदवार हैं।

वरुण क्यों लड़ सकते हैं प्रियंका के खिलाफ चुनाव

राहुल गांधी से एक बार वरुण गांधी को कांग्रेस में शामिल करने के बारे में पूछा गया था उन्होंने कहा था कि वरुण की विचारधारा हमसे काफी अलग है। राजनीतिक पंडित कहते हैं कि इन सब बातों को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि वरुण अपनी बहन के खिलाफ चुनाव लड़ने से इनकार कर सकते हैं। विशेषकर उनकी माता मेनका गांधी ने 1984 का चुनाव राजीव गांधी के खिलाफ लड़ा था पर वो इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सहानुभूति लहर में चुनाव हार गई थी। ऐसे में हो सकता है कि वह अब राजीव गांधी की पुत्री प्रियंका गांधी को अपने बेटे वरुण गांधी से चुनाव हारते हुए देखना चाहेंगी।

प्रियंका के चुनाव लड़ने की कितनी संभावना

पार्टी के महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि अमेठी और रायबरेली के कांग्रेस कार्यकर्ता हाथ जोड़कर पार्टी नेतृत्व से विनती कर रहे हैं कि वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को दोनों सीटों से चुनाव लड़ने के लिए कहा जाना चाहिए। पांडे ने कहा कि नेतृत्व ने पहले ही प्रस्ताव पर गंभीर चर्चा की है और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता वाली केंद्रीय चुनाव समिति की अगली बैठक इस पर अंतिम निर्णय लेगी।

विश्व प्रसिद्ध S कंपनी के CEO हुए मोदी के फैन, बोले-अमेरिका को भी आप जैसा सख्त नेता चाहिए

वॉशिंगटन: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के चलते पूरी दुनिया उनकी मुरीद बन चुकी है। अब विश्व प्रसिद्ध अमेरिकी कंपनी जेपी मॉर्गन चेज के श़ख्श जेमी डिमन भी मोदी के फैन बन गए हैं और जमकर उनकी तारीफ की है। न्यूयॉर्क का इकोनॉमिक क्लब द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में दुनिया के सबसे बड़े वित्तीय संस्थानों में से एक जेपी मॉर्गन के CEO डिमन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुधारों को आगे बढ़ाकर, समावेशी वित्तीय कार्यक्रमों के माध्यम से 40 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालकर भारत में अविश्वसनीय काम किया है। डिमन ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने भारत में अविश्वसनीय काम किए हैं। उनके पास एक अविश्वसनीय शिक्षा प्रणाली, अविश्वसनीय बुनियादी ढांचा है, वह पूरे देश को विकास की बुलंदियों की तरफ ले जा रहे हैं। और यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि वह एक सख्त इंसान हैं और मैं सोचता हूं कि बदलाव लाने के लिए आपको सख्त होना होगा। आप जानते हैं कि वह नौकरशाही के कुछ हिस्सों में बदलाव ला रहे हैं।%

उन्होंने हाल के दिनों में मोदी द्वारा किए गए सुधारों की भी तारीफ भी की। डिमन ने कहा, उन्होंने यह अविश्वसनीय ट्रेंड शुरू कर दिया है कि कि हर नागरिक के हाथ या आंख की पुतली या उंगली से पहचाना जाता है। उन्होंने 700 मिलियन (70 करोड़) लोगों के लिए बैंक खाते खोले। उनके पैसे सीधे बैंक खातों में ट्रांसफर हो रहे हैं। उन्होंने पुरानी नौकरशाही प्रणाली में बदलाव के लिए मोदी को सख्त बताते हुए कहा, %हमें यहां (अमेरिका में) भी इस सख्ती की थोड़ी जरूरत है।% 68 वर्षीय डिमन ने देश की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था की भी प्रशंसा की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों द्वारा अपनाई जाने वाली कर प्रणालियों में असमानता से पैदा होने वाले भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया है।

दुनिया में दूसरा सबसे सस्ता बना भारत का पासपोर्ट, टॉप पर रहा मुस्लिम देश

सिडनी: ऑस्ट्रेलिया की फर्म Compare the Market ने दुनिया भर के पासपोर्ट की रैंकिंग को लेकर अध्ययन किया है जिसके अनुसार भारत का पासपोर्ट दुनिया में दूसरा सबसे सस्ता पासपोर्ट बन चुका है जबकि का पासपोर्ट टॉप पर रहा है। स्टडी के अनुसार भारत के पासपोर्ट ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। स्टडी में सभी देशों के पासपोर्ट की तुलना से पता चला है कि भारत का पासपोर्ट दुनिया का दूसरा सबसे सस्ता पासपोर्ट है। ऑस्ट्रेलियाई फर्म के अध्ययन के अनुसार 10 साल की वैलिडिटी के लिए भारतीय पासपोर्ट की कीमत 18.07 डॉलर (1,505 रुपए) है, जबकि यूएई 5 साल के पासपोर्ट के लिए 17.70 डॉलर (1,474 रुपए) का शुल्क लेता है। अध्ययन के अनुसार भारत का पासपोर्ट दूसरा सबसे सस्ता पासपोर्ट होने के साथ वैलिडिटी की साल भर की लागत के हिसाब से भी दुनिया का सबसे सस्ता पासपोर्ट है। ऑस्ट्रेलियाई फर्म ने अपनी स्टडी में विभिन्न देशों के पासपोर्ट की लागत को लेकर तुलना की है स्टडी में पासपोर्ट की वैलिडिटी की हर साल लागत की भी तुलना की गई है इसमें यह तुलना भी शामिल है कि किसी देश के पासपोर्ट का इस्तेमाल कर कितने देशों में वीजा फ्री एंट्री मिल सकती है।

पाकिस्तान के कराची में भूकंप के झटके, घरों से बाहर भागे लोग

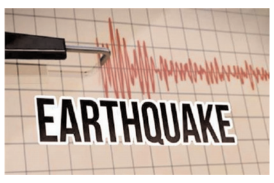

इंटरनेशनल डेस्क: पाकिस्तान के सबसे बड़े महानगर कराची में बुधवार की रात रिक्टर पैमाने पर 3.2 तीव्रता का भूकंप आने से घबराए लोग अपने-अपने घरों से निकलकर बाहर एकत्र हो गए। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भूकंप के झटके महानगर के बाहरी इलाकों में महसूस किए गए। मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन से 12 किलोमीटर नीचे था लेकिन इसके झटके कायदाबाद, मालिर, गडप और सादी कस्बे समेत शहर के सभी बाहरी इलाकों में महसूस किये गये जहां लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल गए। झटके कई सेकंड तक महसूस किए गए जिससे बड़ी आबादी वाले इलाकों में से एक बहरिया कस्बे के एक घर की दीवार में दरार आ गई।

कहीं से भी किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। कराची में लंबे समय बाद भूकंप का कोई झटका महसूस किया गया। पिछले साल 16 अक्टूबर को कराची के विभिन्न हिस्सों में 3.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गए थे।

नैनीताल के जंगल में लगी भयानक आग

हाईकोर्ट कॉलोनी तक पहुंची, नैनी झील में नौकायन बंद, सेना बुलाई गई

नेशनल डेस्क उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग ने शुक्रवार को भीषण रूप ले लिया और आग की लपटें नैनीताल की हाई कोर्ट कॉलोनी तक पहुंच गईं. आग पर काबू पाने के लिए नैनीताल प्रशासन ने वन विभाग के कर्मचारियों और सेना के जवानों को बुलाया है. यदि स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है तो वे अग्निशमन अभियान में हेलीकॉप्टरों को लगा सकते हैं।

-रिपोर्ट्स के मुताबिक, नैनीताल के जिला मुख्यालय के पास लगी आग से पाइंस इलाके में स्थित हाई कोर्ट कॉलोनी के निवासियों के लिए खतरा पैदा हो गया है. इससे यातायात भी बाधित हुआ।

-एक निवासी ने बताया, आग ने द पाइंस के पास स्थित एक पुराने और खाली घर को अपनी चपेट में ले लिया है। इससे हाई कोर्ट कॉलोनी को कोई नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन यह खतरनाक रूप से इमारतों के करीब पहुंच गई है। शाम से आग पर काबू पाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

-आग के पाइंस इलाके के पास स्थित सेना के संवेदनशील ठिकानों तक पहुंचने की आशंका है।

-जंगल में लगी आग के कारण नैनीताल जिला प्रशासन ने नैनी झील में नौकायन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

-आग बुझाने के लिए नैनीताल प्रशासन ने 42 कर्मियों को तैनात किया है. नैनीताल के प्रभागीय वन अधिकारी चन्द्रशेखर जोशी ने एजेंसी को बताया, हमने आग बुझाने के लिए मनोरा रेंज के 40 कर्मियों और दो वन रेंजरों को तैनात किया है।

-उत्तराखंड के वन विभाग ने कहा है कि 24 घंटों में राज्य के कुमाऊं क्षेत्र में जंगल में आग लगने की 26 और गढ़वाल क्षेत्र में पांच घटनाएं सामने आईं। आग के कारण 33.34 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ.

-एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल 1 नवंबर से राज्य में जंगल में आग लगने की कुल 575 घटनाएं सामने आई हैं, जिससे 689.89 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ और राज्य को ?14 लाख से अधिक का नुकसान हुआ।

-उत्तराखंड के अधिकारियों ने जखोली और रुद्रप्रयाग में जंगल में आग लगाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

-रुद्रप्रयाग के प्रभागीय वनाधिकारी अभिमन्यु ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जंगल की आग को रोकने के लिए गठित टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई।

-गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक जखोली के तड़ियाल गांव का नरेश भट्ट था, जो जंगल में आग लगाते हुए पकड़ा गया था. कथित तौर पर उसने आग इसलिए लगाई ताकि उसकी भेड़ों को नई घास मिल सके।

-उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रशासन को अलर्ट पर रहने और जंगल की आग को रोकने के लिए उपाय करने को कहा है।

दुनिया में भूख से तड़प रहे 28.2 करोड़ लोग

नेशनल डेस्क- वर्ष 2023 में 59 देशों के करीब 28.2 करोड़ लोग भूख से तड़पने को मजबूर हुए और युद्धग्रस्त गाजा में सबसे ज्यादा लोगों ने अकाल की गंभीर स्थिति का सामना किया। संयुक्त राष्ट्र ने ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस में इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में 2.4 करोड़ से अधिक लोगों को खाद्य सामग्री की भारी कमी से जूझना पड़ा। इसके चलते गाजा पट्टी और सूडान में खाद्य सुरक्षा के बिगड़े हालात थे। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने भूख का एक पैमाना तय किया है, जिसमें पांच देशों के 7,05,000 लोग पांचवे चरण में हैं, जिसे उच्च स्तर माना जाता है।

भूख पीड़ितों की संख्या सर्वाधिक

संयुक्त राष्ट्र में खाद्य-कृषि संगठन के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने कहा, 2016 में वैश्विक रिपोर्ट जारी करने की शुरुआत के मुकाबले भूख से तड़पने वालों की यह संख्या अब तक सर्वाधिक है।

अकाल के लिए होंगे मजबूर

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी सूडान, बुर्किना फासो, सोमालिया और माली में हजारों लोग भूख से तड़प रहे हैं। रिपोर्ट में भावी परिदृश्य का अनुमान है कि गाजा में 11 लाख व दक्षिण सूडान में 79 हजार लोग जुलाई तक 5वें चरण में पहुंच सकते हैं। इसी के साथ उनके अकाल का सामना करने के लिए मजबूर होने का दौर भी शुरू हो सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569